भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 257 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 11 सितम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच पीएम मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के बाद महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक में देश में महामारी के हालात और टीकाकरण की स्थिति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक वैश्विक महामारी और टीकाकरण अभियान की मौजूदा स्थिति का आकलन करने के लिए उच्च स्तरीय बैठक की गई। इस दौरान पीएम मोदी ने राज्यों को हर जिले में दवाओं का बफर स्टॉक रखने को कहा है। पीएम मोदी ने अगले कुछ महीनों के लिए वैक्सीन के उत्पादन, आपूर्ति और दवाओं को लेकर समीक्षा की है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कोरोना म्यूटेंट के निगरानी के लिए निरंतर जीनोम अनुक्रमण की आवश्यकता के बारे में बात की है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने गुरूवार को कहा था कि देश अभी भी कोरोना महामारी की दूसरी लहर से गुजर रहा है। अभी दूसरी लहर खत्म नहीं हुई है। उन्होंने बताया था कि 35 जिलों में अभी भी कोरोना संक्रमण दर 10 फीसद से ज्यादा बनी हुई है, जबकि 30 जिलों में संक्रमण दर पांच से 10 फीसद के बीच है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा था कि देश में कोरोना के टीकाकरण की कुल संख्या 72 करोड़ को पार कर गई है।

देश में कल 34,973 नए कोरोना के मामले दर्ज किए गए, जो पिछले दिन की तुलना में 19 फीसद कम हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में भारत ने कई और अस्पतालों में नए बेड की व्यवस्था की है। इसके साथ ही 100 से अधिक ऑक्सीजन टैंकर आयात किए हैं, जो कुल मिलाकर लगभग 1,250 हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने अस्पतालों में लगभग 1,600 ऑक्सीजन प्लांट्स के निर्माण को मंजूरी दे दी है। हालांकि पिछले महीने की शुरुआत में 300 से कम स्थापित किए गए थे, क्योंकि आयात में समय लगता है। कोरोना की तीसरी लहर से निपटने को लेकर सभी राज्य विशेष बाल चिकित्सा वार्ड तैयार कर रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि छोटे बच्चे किसी भी नए कोरोना वायरस की चपेट में आ सकते हैं। वहीं, मध्य प्रदेश सहित राज्य रेमडेसिविर जैसी एंटी-वायरल दवाओं का स्टॉक करने में लगे हुए हैं।

मुख्य सचिव का आदेश, 25 सितंबर को यूपी में मनाया जाएगा गरीब कल्याण दिवस

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने 25 सितंबर को गरीब कल्याण दिवस के रूप में मनाए जाने के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। इस दिन सभी विकास खंडों में गरीबों के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी जनसामान्य को उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश के समस्त विकास खंडों में जन आरोग्य मेलों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आमजन का स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड का वितरण तथा कोविड टीकाकरण आदि की व्यवस्था रहेगी।सभी प्रकार के ऋण वितरण की व्यवस्था, कृषि संयंत्रों के वितरण की व्यवस्था तथा प्रधानमंत्री आवास योजना/ मुख्यमंत्री आवास योजना, शौचालय, स्वच्छ पेयजल तथा उज्जवला-दो योजना के तहत गैस कनेक्शन दिए जाने की व्यवस्था रहेगी।

फ्रांस जनवरी में करेगा 36वें राफेल की डिलीवरी, भारत ने इसे बनवाया है सबसे अधिक घातक

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस अगले तीन महीनों तक भारत तो हर महीने तीन राफेल लड़ाकू विमानों की डिलीवरी देगा। इसके साथ ही दिसंबर 2022 तक 35 लड़ाकू विमान भारत को मिल जाएंगे। 36वें लड़ाकू विमान की डिलीवरी जनवरी में होगी। आपको बता दें कि 4.5 पीढ़ी के 26 राफेल लड़ाकू विमान पहले से ही अंबाला एयरबेस पर मौजूद हैं। तीन और डसॉल्ट निर्मित लड़ाकू विमान 13 अक्टूबर को अपने करीबी सहयोगी यूएई मिड-एयर रिफ्यूलर की मदद से जामनगर बेस पर उतरेंगे। नवंबर में तीन और और अन्य तीन दिसंबर में भारतीय वायु सेना में शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि, 36वां राफेल फाइटर अधिक घातक होगा। उसे भारत के द्वारा और अडवांस बनाया जाएगा। आपको बता दें कि राफेल को हैमर एयर टू ग्राउंड, एससीएएलपी जमीनी हमले में सक्षम बनाया गया है। ये लड़ाकू विमान अधिक ऊंचाई और अधिक

सटीकता के साथ अधिक रेंज वाले उल्कापिंड मिसाइलों को लॉन्च करने में सक्षम हैं। 36वें लड़ाकू विमान इजरायली मूल की कुछ टेक्नोलॉजी के साथ उतारने की तैयारी है।

राफेल लड़ाकू विमान अधिक शक्तिशाली रेडियो अल्टीमीटर, रडार चेतावनी रिसीवर, कम बैंड जैमर, उड़ान डेटा रिकॉर्डर, उच्च ऊंचाई वाले इंजन स्टार्ट-अप, सिंथेटिक एपर्चर रडार, ग्राउंड मूविंग टारगेट इंडिकेटर, इन्फ्रा-रेड सर्च एंड ट्रैक, हेलमेट-माउंटेड डिस्प्ले, मिसाइल अप्रोच वार्निंग सिस्टम और बहुत हाई-फ्रीक्वेंसी रेंज डिकॉय में दक्ष माना जाता है। फ्रांस, भारत के सबसे करीबी रणनीतिक सहयोगियों में से एक, पहले ही भारतीय वायुसेना को राफेल के लिए उन्नत मिसाइलें और गोला-बारूद भेज चुका है। उल्का मिसाइल भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ है। हैमर और एर्ण्थ्झ् ने अंतिम-मिनट में टारगेट को भेदने में दक्ष है। यह रडार से बचने में भी माहिर है।

मुंबईः टेम्पो में महिला से निर्भया जैसी हैवानियत, दुष्कर्म के बाद प्राइवेट पार्ट में डाल दी रॉड

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने एक 30 वर्षीय महिला के कथित रेप के मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया है। गुरुवार की रात को शहर साकी नाका इलाके में स्थित खैरानी रोड पर महिला अचेत अवस्था में पाई गई थी। फिलहाल महिला का शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने रेप के बाद महिला के प्राइवेट पार्ट में रॉड भी डाल दी थी।

इस जघन्य अपराध के आरोप में जिस शख्स को पुलिस ने पकड़ा है उसका नाम मोहन चौहान बताया जा रहा है। 45 साल के मोहन चौहान को पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों पर दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि एक महिला को एक शख्स बुरी तरह से पीट रहा है।यह सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। यहां सड़क पर महिला खून से लथपथ पड़ी हुई थीं। इसके बाद महिला को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला के साथ दुष्कर्म हुई है और उनके प्राइवेट पार्ट में रॉड डाला गया है। पुलिस का कहना है कि सड़क किनारे खड़े एक टेम्पो के अंदर महिला के साथ यह हैवानियत की गई है। गाड़ी के अंदर खून के छींटे भी मिले हैं। चिकित्सकों के मुताबिक महिला की हालत अभी चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी चौहान को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (दुष्कर्म की कोशिश)और 376 (दुष्कर्म) के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की तफ्तीश भी की जा रही है।

मथुरा-वृंदावन का दस किलोमीटर क्षेत्र तीर्थस्थल घोषित, शराब-मांस की बिक्री पर पाबंदी

मथुरा (एजेंसी)। यूपी की योगी सरकार ने मथुरा और वृंदावन में 10 किलोमीटर के क्षेत्र को तीर्थस्थल घोषित कर दिया है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान को केंद्र में रखकर 10 किलोमीटर वर्ग मीटर के क्षेत्र को तीर्थस्थल घोषित किया गया है। अब इस क्षेत्र में मांस और शराब की बिक्री पर पूरी तरह रोक रहेगी। तीर्थस्थल घोषित किए गए इलाके में नगर निगम के 22 वार्ड हैं। योगी सरकार लगातार तीर्थस्थलों के विकास के काम में लगी है। अयोध्या, वाराणसी, मथुरा में सुविधाएं बेहतर की जा रही हैं।इससे पहले सीएम योगी जन्माष्टमी के दिन मथुरा आए थे और कहा था कि मथुरा के वृन्दावन, गोवर्धन, नन्दगांव, बरसाना, गोकुल, महावन एवं बलदेव में जल्द ही मांस और शराब की बिक्री बंद होगी। इन कार्यों में लगे लोगों का

अन्य व्यवसायों में पुनर्वास किया जाएगा। मथुरा में कृष्णोत्सव कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां का भौतिक विकास हो पर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को भी बचाए रखना है, क्योंकि यही देशवासियों की पहचान है।यूपी में सरकार बनाते ही योगी सरकार ने तीर्थस्थल घोषित करने की कवायद शुरू कर दी थी। अक्तूबर 2017 में कृष्ण की नगरी वृंदावन और राधा की जन्मस्थली बरसाना को तीर्थस्थल घोषित करने की घोषणा हुई थी। यह भी कहा गया था कि सभी सात स्थलों को तीर्थस्थल घोषित किया जाएगा। वृन्दावन में हर साल डेढ़ करोड़ तो बरसाना में 60 लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं।धर्मार्थ कार्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में अभी सात स्थलों वृन्दावन, गोवर्धन, नन्दगांव, बरसाना, गोकुल, महावन एवं बलदेव को तीर्थस्थल क्षेत्र का दर्जा दिया गया है। ये सभी के सभी मथुरा के ही हैं। वैसे तो प्रदेश में धार्मिक नगरी कई हैं लेकिन सरकार द्वारा औपचारिक तौर पर घोषित तीर्थस्थल क्षेत्र मथुरा के यही सात हैं। मथुरा। श्री कृष्ण जन्मस्थान के 10 वर्ग किलोमीटर के हिस्से को तीर्थस्थल घोषित किये जाने की मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद इसका आदेश प्रशासन को मिल गया हैं। इसके साथ ही जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी नवनीत चहल ने संबंधित विभागों को आदेशों का पालन करने के निर्देश दिये हैं। तीर्थस्थल घोषित करने के मामले में शासन ने बहुत तेजी दिखाई है। दोपहर को मुख्यमंत्री की ओर से मथुरा को तीर्थस्थल घोषित करने का ट्विट हुआ और इसके साथ ही जिला प्रशासन को इसका नोटिफिकेशन भेज दिया गया। शासनादेश आते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। इस बारे में जिलाधिकारी नवनीत चहल ने बताया कि नोटिफिकेशन मिल चुका है। इसे लेकर सभी संबंधित विभागों को आदेश दे दिये गये हैं कि वे तत्काल इसका पालन करायें। तीर्थस्थल क्षेत्र में शराब और मांस की बिक्री बंद करा दी जाएगी।

महबूबा, फारूक और दिग्विजय सिंह तालिबान के साथ खड़े हैं, केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी नेताओं को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने कहा है कि दिग्विजय सिंह, महबूबा मुफ्ती और फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता तालिबान के साथ हैं। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी नेताओं को घेरते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह, फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती तालिबान के साथ खड़े हैं। क्या वो तालिबान के महिलाओं के प्रति सोच को स्वीकार करते हैं? अगर वो नहीं करते तब उन्हें खुलकर विरोध करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि मोहन भागवत ने यह नहीं कहा कि महिलाओं को सिर्फ घर संभालना चाहिए।

हमारी सरकार में सबसे ज्यादा महिला मंत्री हैं और हम लगातार महिला सशक्तिकरण को लेकर काम कर रहे हैं। यह हमारी प्राथमिकताओं में शुमार है। हम उन्हें बेहतरीन शिक्षा देने पर काम कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दावा किया था कि महिलाओं को लेकर आरएसएस और तालिबान की मानसिकता ऐक जैसी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि, 'तालिबान कहता है कि महिलाएं मंत्री नहीं बन सकती हैं। मोहन भागवत कहते हैं कि महिलाओं को घर पर रहना चाहिए और घर का ख्याल रखना चाहिए। क्या दोनों की सोच एक जैसी नहीं है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि, 'तालिबान को मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और इस्लामी सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही बाकी दुनिया के साथ अच्छे संबंध बनाने चाहिए।'

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा था कि तालिबान एक हकीकत बनकर सामने आ रहा है और उनको चहिए कि पहली बार उनकी जो छवि बनी है वो इंसानों के खिलाफ थी लेकिन अबकी बार वो आए हैं और हुकूमत करना चाहते हैं अफगानिस्तान में तो बाकी जो असली शरिया कहता है, जो हमारे कुरान शरीफ में है। जो बच्चों और औरतों के अधिकार हैं. किस तरह से शासन करना चाहिए जो मदीने का हमारा मॉडल रहा है। तो अगर वो वाकई उसपर अमल करना चाहते हैं तो वो दुनिया के लिए मिसाल बन सकते हैं। अगर वो उसपर अमल करेंगे तभी दुनिया के देश हैं उनके साथ कारोबार कर सकते हैं।

भारत-आस्ट्रेलिया के बीच पहली टू-प्लस-टू वार्ता आज, दोनों देशों के रक्षा व विदेश मंत्रियों की होगी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदलते वैश्विक माहौल में नए मित्रों के साथ नई व्यवस्था गढ़ने की कोशिश में जुटे भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पहली टू प्लस टू वार्ता शनिवार को होगी। इस वार्ता में दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्री उपस्थित होंगे। भारत इसी तर्ज पर जापान और अमेरिका के साथ भी विशेष सालाना बैठक आयोजित करता है। आस्ट्रेलिया के साथ टू प्लस टू वार्ता के बाद जल्द ही जापान और अमेरिका के साथ भी विदेश एवं रक्षा मंत्रियों की बैठक की तैयारी चल रही है। भारत इन तीनों देशों के साथ समग्र तौर पर रिश्तों को विकसित करने में जुटा है। इनके साथ ही अलग-अलग रक्षा एवं विदेश मंत्रियों की वार्ता हो रही है और फिर क्वाड (चार देशों के संगठन) के तहत भी इनके साथ साझा बातचीत होनी है। वार्ता में हिस्सा लेने भारत पहुंचे आस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री पीटर डुट्टो की शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक भी हुई। इसमें अफगानिस्तान के हालात पर खास तौर पर चर्चा हुई और दोनों देशों के

रक्षा क्षेत्र में सहयोग स्थापित करने की संभावनाओं पर भी। रक्षा मंत्री ने आस्ट्रेलिया की कंपनियों को भारत के रक्षा क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए भारत सरकार की तरफ से रक्षा क्षेत्र में विदेशी निवेश संबंधी नियमों का जिक्र किया। दोनों देशों के बीच संयुक्त तौर पर रक्षा उपकरणों के उत्पादन की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। राजनाथ ने कोरोना के बावजूद भारत दौरा करने के लिए आस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री को खासतौर पर धन्यवाद दिया और कहा कि दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सभी देशों के लिए समान अवसर वाला और मुक्त रखने की संभावनाओं पर भी बात की।

बैठक में हिस्सा लेने के लिए आस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मैरिस पायने भी नई दिल्ली पहुंच गई हैं। शनिवार को उनकी पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर से द्विपक्षीय वार्ता होगी और उसके बाद टू प्लस टू वार्ता होगी। यहां देर शाम आयोजित एक सेमिनार में पायने ने कहा कि आस्ट्रेलिया के रणनीतिक दृष्टिकोण से भारत सबसे अहम देशों में से है। दोनों देशों के बीच रिश्ते काफी सही दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने संकेत दिया कि शनिवार को होने वाली द्विपक्षीय बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र का मुद्दा प्रमुख रहेगा।

घट गई है लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती की शक्ति... आरएसएस-बीजेपी के विरोध में क्या बोल गए राहुल गांधी

जम्मू (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) पर जम्मू-कश्मीर की मिलीजुली संस्कृति को खत्म करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दोनों संगठन लोगों के बीच प्यार और भाईचारे को खत्म कर रहे हैं। एक दिन पहले ही माता वैष्णो देवी के दरबार से लौटे राहुल ने बीजेपी-आरएसएस को निशाना बनाते हुए यह भी कह डाला कि देवी लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती की शक्ति कम हो गई है।

जम्मू के त्रिकुटा नगर में गुलाम नबी आजाद सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''आप लोगों के बीच जो प्यार और भाईचारा है उसे बीजेपी और आरएसएस की ओर से खत्म किया जा रहा है। वे जम्मू-कश्मीर की समावेशी संस्कृति को तोड़ना चाहते हैं। यह आपको कमजोर बना रहा है। आप खुद इसे देख सकते हैं

कि केंद्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था, पर्यटन और कारोबार पर बुरा असर हुआ है।''

राहुल गांधी ने कहा कि देवी दुर्गा रक्षा करने वाली ताकत की प्रतीक हैं तो देवी लक्ष्मी किसी के लक्ष्य को प्राप्त करने की शक्ति का प्रतीक हैं और देवी सरस्वती ज्ञान की शक्ति हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बीजेपी की अगुआई वाली केंद्र सरकार की नीतियों, नोटबंदी और जीएसटी ने देश में देवी लक्ष्मी की शक्ति कम कर दी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि नए कृषि कानूनों ने देवी दुर्गा की शक्ति कम कर दी है। राहुल ने आगे कहा ''जब बीजेपी और आरएसएस के किसी व्यक्ति को शैक्षणिक संस्थाओं में नियुक्त किया जाता है तो देवी सरस्वती की शक्ति कम होती है।

अखिलेश का हमलाः भाजपा राज में चारों तरफ अराजकता का माहौल, नौजवान-किसान हर कोई परेशान

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा है कि भाजपा का लोकतांत्रिक व्यवस्था की निष्पक्षता में विश्वास नहीं है। वह अपनी कुटिल चालों और षड़यंत्रों के जरिये सत्ता पर कब्जा जमाने की तिकड़में करती रही हैं। राज्य की जनता विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट की चोरी नहीं करने देने के लिए संकल्पित है। लोकतंत्र पर भाजपा की काली छाया अब नहीं पड़ सकेगी।उन्होंने कहा है कि भाजपा राज में चारों तरफ अराजकता का माहौल है। अपराधों के कारण छात्राओं-महिलाओं का जीवन सांसत में है। नौजवानों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया गया है। विकासकार्य पूरी तरह अवरुद्ध है। किसान अपने हक की निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें सैकड़ों किसान अपनी जान भी गंवा चुके हैं। इसके बाद भी आज भी उनके हौंसले बुलंद है। भाजपा सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है।

खबर संक्षेप

प्रधानाध्यापिका को पिलाया जहरीला दूध, बिगड़ी हालत तो थाने में की शिकायत

घूरपुर। चाका विकास खंड के जमोली प्राथमिक विद्यालय में तैनात एक सहायक अध्यापिका ने विद्यालय की रसोइया के बेटी व एक अन्य लड़की के खिलाफ दूध में जहरीला पदार्थ पिलाने की शिकायत घूरपुर पुलिस से की है । पुलिस ने दूध पीने से गंभीर शिक्षिका को इलाज के लिए सीएचसी जसरा भेजा जहां से उसे शहर के लिए रेफर कर दिया गया। चाका के जमोली गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षिका प्रतिमा गुप्ता का आरोप है कि शुक्रवार के दिन वह विद्यालय में काम कर रही थी इसी बीच विद्यालय की रसोइये के बेटी व उसके साथ एक लड़की जो गांव की है और पूर्व में विद्यालय में पढ़ती थी । दूध लेकर आई और दूध पीने को विवश कर दिया । दोनो लड़कियों के दबाव में आकर शिक्षिका ने दूध पी लिया। दूध पीने के कुछ देर बाद उनकी तबियत बिगड़ने लगी तो उन्होंने यूपी 112 डॉयल पुलिस को दूध में जहरीला पदार्थ पिलाने की सूचना दी । सूचना पर घूरपुर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।और जांच पड़ताल की । पुलिस ने पीड़िता को इलाज के लिए सीएचसी जसरा भेजा जहां से उसे गंभीर बताते हुए शहर के लिए रेफर कर दिया गया । दूध में जहरीला पदार्थ पिलाने से बिगड़ी हालत की सूचना शिक्षा विभाग में पहुंची तो घूरपुर थाने में कई शिक्षकों के साथ बीईओ चाका पहुंच गए। संबंधित मामले में पीड़िता शिक्षिका ने रसोइये की बेटी व एक अन्य लड़की के खिलाफ जबरन जहरीला दूध पिलाने की घूरपुर पुलिस से लिखित शिकायत की है । पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

चोरों ने हनुमान मंदिर से घंटा और चांदी की आंख चुराया

जंघई। सरायममरेज थानांतर्गत ग्राम सभा चंपापुर महुआपुर हनुमान मंदिर में चोरों ने हनुमान जी की प्रतिमा में से चांदी की आंख और पीतल का घंटा चोरी कर लिया। सुबह भक्तगण जब पूजन करने पहुंचे तो देखा कि हनुमान जी की प्रतिमा में चांदी की दोनों आंख गायब है और पीतल का घंटा भी गायब था।देखते ही देखते गाँव के काफी लोग एकत्रित हो गये और मंदिर में चोरी की सूचना पुलिस को दिया पुलिस मौके पर पहुँच कर मुआयना किया और चोरी का अतिशीघ्र खुलासा करने का आश्वासन दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की अस्थियां संगम में विसर्जित

डिप्टी सीएम केशव मौर्य भी रहे मौजूद

अखंड भारत संदेश

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की अस्थियां संगम में विसर्जित करते उनके पुत्र सांसद राजवीर सिंह साथ में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की अस्थियां शुक्रवार को संगम में विसर्जित कर दी गईं। कल्याण सिंह के पुत्र सांसद राजवीर सिंह दोपहर में अस्थियां लेकर प्रयागराज पहुंच गए थे। उनके साथ पत्नी और पुत्र भी मौजूद रहे। इसके कुछ देर बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी प्रयागराज पहुंचे। सर्किट हाउस में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री के अस्थिकलश पर माल्यार्पण और भाजपाइयों ने श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रयागराज में पूर्व राज्यपाल और पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की अस्थियों का विसर्जन शुक्रवार को संगम में किया गया। कल्याण सिंह के पुत्र एवं सांसद राजवीर सिंह परिवार के सदस्यों के साथ सीधे संगम पहुंचे। इस दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कल्याण सिंह को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बाबूजी के विचार, जनसेवा के संस्कार व समाज के प्रति उनका समर्पण निरंतर हम सभी का मार्गदर्शन करते रहेंगे। इस मौके पर पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी ने भी पूर्व सीएम को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कल्याण सिंह को जन नेता बताया। उनका सपना अयोध्या में राम मंदिर था जो अब पूरा हो रहा है। इसके बाद शाम को सभी लोग संगम पर पहुंचे और राजवीर सिंह ने विधि विधान के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अस्थियां संगम में विसर्जित कीं। कर्मकांड तीर्थ पुरोहित रोहित शर्मा ने पूरा कराया। इस दौरान पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी, कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, सांसद केशरी देवी, पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह गौर, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। विसर्जन के बाद डिप्टी सीएम हेलीकॉप्टर से प्रयागराज से लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

विवाद पर युवक का सिर फोड़ किया लहुलुहान, दो के खिलाफ शिकायत

घूरपुर। इलाके के अमिलिया गांव में मामूली विवाद पर पड़ोस के लोगों ने लाठी और ईट से हमला कर युवक को लहुलुहान कर दिया। पीड़ित ने दो के खिलाफ पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

अमिलिया दांदूपुर गांव निवासी अरविंद (40) पुत्र गोरे लाल घर बनवाने के लिए ईंट भट्ठे से ईट खरीदकर कर घर के दरवाजे के पास रखा था। पड़ोस के आरोपित गेंदा लाल निषाद अपने बेटे राजेंद्र के साथ उसका रखा ईट उठा अपने घर ले जा रहे थे। इसी को लेकर दोनों पक्षों में शुक्रवार की दोपहर विवाद हो गया। जिस पर आरोपित पिता पुत्र दोनो ईंट और लाठी से हमला कार अरविंद का सिर फोड़ दिए। जिससे लहुलुहान हो जमीन पर गिर तड़पने लगा। परिजन घायल को लेकर घूरपुर थाना पहुच दोनो आरोपितो के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दविश दी तो आरोपित भाग निकले।

न्यूज झरोखा

छपंचायत सदस्यों को एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा ने दिलाई शपथ

पंचायत सदस्यों शपथ ग्रहण कराते एडीओ पंचायत

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत मछहर का पुरवा व ग्राम पंचायत रोकडी के पंचायत चुनाव बाद छ पंचायत सदस्यों का शपथग्रहण नहीं हो सका था, जिन्हें शुक्रवार को ब्लाक मुख्यालय पर ब्लाक प्रमुख की उपस्थिति में एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा ने दिलाई शपथ, शपथग्रहण करने वाले सदस्यों में मूल सजीवन पटेल, कमलेश कुमार साहू, प्रेम कली, राज कुमारी, मुन्ने लाल, राज कुमार ने शपथ ली, इस मौके पर ब्लाक प्रमुख करछना प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी, ओपी सिंह पटेल, मनीष शुक्ला, अल्प नारायण सिंह अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा एसोसिएशन जनपद ईकाई प्रयागराज आदि लोग उपस्थित रहे ।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा यमुनापार जिलाध्यक्ष राजमणि पासवान के टीम में बने पांच उपाध्यक्ष

घूरपुर। राजमणि पासवान जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा यमुनापार प्रयागराज ने अपनी टीम में यमुनापार के कर्मठ कार्यकताओं को पदाधिकारी नियुक्त किए। उन्होंने अपनी टीम में दुबराज भारतीय, प्रेमचंद भारतीय, रघुनंदन प्रसाद, योगेंद्र कुमार पासी एवं मुकुंद लाल सोनकर को जिला उपाध्यक्ष तथा पंकज राव व बिरजा शंकर को महामंत्री, तथा कल्लू सोनकर, राममिलन कनौजिया ,मंजीत कनौजिया ,आशीष सोनकर ,संजय गौतम और मिथुन कुमार आदिवासी को मंत्री पद पर नियुक्त किए। कार्यालय मंत्री के रूप में राम कैलाश कोल तथा मीडिया प्रभारी पंकज पासी के साथ सोशल मीडिया प्रभारी सौरभ चौधरी व कोषाध्यक्ष अमित कुमार पासी को नियुक्त किया गया। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विभव नाथ भारती व जिला अध्यक्ष यमुनापार राजमणि पासवान ने संयुक्त रूप से नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए।

हिन्दी भाषा नहीं हिन्दी भारत की आत्मा है :अनिल विश्वकर्मा

कालेज प्रबंधक अनिल विश्वकर्मा का स्वागत करते शिक्षक

घूरपुर। हिन्दी केवल भाषा ही नहीं अपितु भारत की आत्मा हैं देश मे बहुत बड़ा तबका हिन्दी भाषा का प्रयोग करते हैं किन्तु दुर्भाग्य हैं कि अपने देश मे ही जिस प्रकार हिन्दी का पतन हों रहा हैं। वह निकट भविष्य मे हिन्दी के गौरव एवम अस्मिता कों खत्म कर सकता हैं। जों किसी भी रूप मे देश के लिए सुखद नहीं हैं।उक्त बातें कमला स्मारक इंटर कालेज के प्रबंधक अनिल कुमार विश्वकर्मा ने विद्यालय मे आयोजित हिन्दी भाषा की उपयोगिता एवम महत्ता के विषय मे अपने अनुभव कों साझा कर रहें थे। इस अवसर पर विश्वकर्मा यह भी बोले कि हिन्दी दुनियां की सहज, सरल एवम विशाल साहित्य की प्रधान भाषा हैं। इसके साथ देश मे सदचरित्र के निर्माण मे हिन्दी भाषा का प्रमुख योगदान हैं। हिन्दी भाषा के विकास हेतु विभिन्न सरकारी कार्यालयों, शैक्षिक संस्थानों मे उक्त भाषा कों अनिवार्य भाषा के रूप मे लागू किया जाना चाहिए। जिससे भाषा के विकास मे काफी सहायता मिलेगी। इस अवसर पर प्रबंधक विश्वकर्मा ने यह भी जानकारी प्रदान किये कि हिन्दी भाषा के उत्थान हेतु वर्ष मे कई बार निबंध लेखन प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से भी भाषा के महत्व कों साझा किया जाता रहा हैं।अचलेन्द्र प्रताप विश्वकर्मा, पवन विश्वकर्मा सहित विद्यालय के छात्र /छात्राएँ मौजूद रहें।

करछना में जन समस्याओं को लेकर कांग्रेस का अनशन

अनशन पर बैठे कांग्रेस के जितेन्द्र तिवारी व अन्य कांग्रेसी

अखंड भारत संदेस

करछना। विधान सभा करछना क्षेत्र के कुछ जवलंत मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं ने पूर्व में एसडीएम करछना को एक ज्ञापन दिया था, जिसमें मांग की गई थी कि बाढ प्रभावित लोगों की मदद, जर्जर सडकों की मरम्मत, विजली जैसी समस्या का समाधान करने के लिए लेकर, प्रशासन द्वारा निराकरण न कराये जाने के विरोध में कांग्रेस के जितेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने तहसील मुख्यालय के पास सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करछना के नियर अनिश्चित कालीन अनशन शुरू किया है जिसमें पमुख रुप से जितेंद्र तिवारी प्रदेश महासचिव युवक कांग्रेस रंगराज सिंह जिला उपाध्यक्ष डा दिनेश कुमार सोनी जिला महासचिव पकाश पाण्डेय एड़ो ब्लॉक अध्यक्ष शहजादुल हक

अमजद अंसारी, बडकू यादव, आयुष मिश्रा, बट्टू यादव, गजेंद्र पटेल, अरुण कुशवाहा, नरेन्द्र आदिवासी, नरेन्द्र यादव, अजीत यादव, शारदा प्रसाद, आयुष कुमार मिश्रा एडवकेट आदि अनशन में शामिल रहे ।

कांग्रेसियों ने पदयात्रा कर ग्रामीणों के समस्याओं से हुए रूबरू

अखंड भारत संदेश

सहसों। क्षेत्र के ग्रामीण जनों की कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष आफाक अहमद के नेतृत्व में कांग्रेसी नेताओं का एक जत्था गुरुवार को फूलपुर लोकसभा के ग्राम सभा बेरूई, पन्ने पारनडीह, तिवारीपुर सहित आदि ग्राम सभाओं में पदयात्रा के माध्यम से ग्रामीण किसानों, युवाओं एवं वृद्ध महिलाओं से मिलकर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। सर्वाधिक जन समस्याएं बिजली, पानी, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, निशुल्क खाद्यान्न वितरण का समयानुसार आवश्यकता के अनुरूप ना मिलना है। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए अशफाक अहमद ने कहा भाजपा की कथनी और करनी में बहुत फर्क है। सारी समस्याओं के निदान के लिए कांग्रेश से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि प्रदेश समस्या ग्रस्त है । बिजली-पानी कुकिंग गैस और दवाइयों का अभाव है। जिनके लिए गरीबों को दरबदर भटकना पड़ रहा है। किसान मजदूर नौजवान सब परेशान हैं। भाजपा सरकार इन सारी समस्याओं का निदान करने में अक्षम है। यदि देश को बचाना है तो कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र विकल्प है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से तहजीब उल हसन, मोहम्मद कैफ, अमन मिश्रा उर्फ भीम, अरविंद पाल, रामचंद्र पटेल, संजीव पटेल, सुभाष हरिजन, मनोज पटेल, फूलचंद सरोज, मोहम्मद असलम, मोहम्मद इदरीश, मदन लाल पटेल सहित आदि लोग पदयात्रा में शामिल रहे।

यूथ कार्यक्रम के तहत हर बूथ पर मतदाता सूची में नाम बढ़ा रहे सपाई

`हर बूथ पर यूथ कार्यक्रम के तहत विभिन्न गांवों में मतदाता सूची में नाम बढ़ाते सपाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के जिला उपाध्यक्ष अशोक अंजान की अगुवाई में हर बूथ पर यूथ कार्यक्रम के तहत प्रतापपुर विधानसभा के विभिन्न गाँवो में प्रत्येक बूथ की समीक्षा करके मतदाता सूची में नाम बढ़ाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में प्रतापपुर के एक गाँव मे वोटर बढ़ाने के दौरान जिला उपाध्यक्ष अशोक अंजान ने कहा पूरे प्रदेश में सपा की लहर है।प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रही है।उन्होंने आगे कहा वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों से जनता दुखी हो चुकी प्रदेश अब बदलाव चाहता है।इस मौके दर्जनो सपा कार्यकर्ता एवं सैकड़ों युवा मौजूद रहे।

डाकघर पर आधार कार्ड न बनने से निराशा

अखंड भारत संदेश

जारी। कौंधियारा क्षेत्र के जारी कस्बे में केंद्र सरकार द्वारा डाकघरों में आधार कार्ड बनाने की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद लॉकडाउन के पहले से बंद आधार कार्ड बनाने व संशोधन की प्रक्रिया से छात्र-छात्राओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जारी बाजार डाकघर में लॉकडाउन में आधार कार्ड का काम बंद रहने के बाद कुछ दिनों तक आधार कार्ड बनाने व सुधारने का काम किया गया। इसके बाद से लोगों के आधार कार्ड नहीं बनाए गए। इससे काफी संख्या में क्षेत्र के लोगों का अभी तक आधार कार्ड नहीं बना है और कई लोगों का संशोधन होना बाकी है जिससे डाकघर में अब आधार कार्ड नहीं बन रहा है लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है डाकघर के स्टाफ राजदेव सिंह ने बताया कि जसरा सें डाक आती है 11:30 बजे जबकि 10:00 बजे तक आ जाना चाहिए और डाकिया द्वारा बताया गया कि जो डाक हमको 10:00 बजे मिलना चाहिए वह डाक 2:00 बजे मिलता है जबकि हमारी ड्यूटी सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक की है लेकिन उसके अतिरिक्त डाक हम को बांटना पड़ता है ग्रामीण क्षेत्रों का डाक देर होने की वजह से रुक जाते हैं इसलिए दिक्कत होती है कई बार उपमंडलीय दक्षिणी साऊड से कई बार शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है यहां के कंप्यूटर ना के बराबर चलते हैं और खराब रहते हैं जिससे कार्य बाधित होता रहता है । यहां के बड़े बाबू अजीत यादव मोहित तिवारी जो कि छोटे बाबू है यह भी डाकघर विलंब से आते हैं और खानापूर्ति करके शाम को चले जाते हैं डाकघर के विभागीय लोगों से कई बार शिकायत किया गया है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है विभागीय कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से कार्य अवरुद्ध होता रहता है कई काम समय पूर्वक नहीं हो पाते हैं कहते हैं कंप्यूटर खराब है जब नया आएगा तो काम किया जाएगा सबसे ज्यादा समस्या आधार कार्ड न बनने से है प्रधान डाकघर प्रमुख अधीक्षक से मांग की है कि व्यवस्था सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए ताकि ग्राहकों को समय से आधार कार्ड बन सके। डाकखाना खुलने के बाद मशीन खराब होने की बात कही गई। कई लोगों का कहना है कि डाकघर में हमेशा मशीन ही खराब होने की कहकर भीड़ का चलता कर दिया जाता है। विभाग में काम कर रहे राजदेव सिंह ने बताया कि कंप्यूटर मशीन आए दिन खराब रहती है सूचना डाक अधीक्षक कार्यालय को दे दी गई है। सही होने पर काम प्रारंभ करा दिया जाएगा। जबकि कोई सुनवाई नहीं हो रही है विभाग द्वारा। डाकघर के सभी काम काज अविलंब हो रहे हैं। ग्रामीणों की परेशानियां ज्यों की त्यों बनी हुई है।

भारतीय जनता पार्टी यमुनापार अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला पदाधिकारियों की हुई घोषणा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला पदाधिकारियों की नियुक्ति शुक्रवार को कर दी गई है। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि जिलाध्यक्ष यमुनापार कुशल जैन ने यमुनापार में 18 जिला पदाधिकारी व 13 जिला कार्यकारिणी सदस्यो की घोषणा की है।जिसमें जिला उपाध्यक्ष अयाज अहमद, आशिक बाबा, तौफीक अहमद, मोहम्मद नसीम, अकील अहमद, जिला महामंत्री नुरुल हसन सिद्दीकी, मोहम्मद फिरोज खान व जिला मंत्री साबिर समी, पंकज जैन, सुरेश कुमार जैन, यासिर अहमद, तौफीक खान, अशरफ उल्ला,

अल्पसंख्यक मोर्चा का सरकार बनाने मे अहम भूमिका : विभवनाथ भारती

कोषाध्यक्ष जमील अहमद कुरैशी, शोशल मीडिया प्रभारी मुराद अहमद, जिला मीडिया प्रभारी मोहम्मद जुबेर शेख,कार्यालय मंत्री दशरथ जैन की घोषणा की है। जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि इस बार विधान सभा मे अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रभक्त कार्यकर्ताओ की अहम जिम्मेदारी होगी और भाजपा की सरकार मे इनका भी अहम रोल होगा। शुभकामनाएं व बधाई देने वालों में सरदार पतिविन्दर सिंह, संतोष त्रिपाठी,दिलीप कुमार चतुर्वेदी,अनूप केसरवानी,शिवराज सिंह परिहार आदि रहे।

पंचायत चुनाव छ : महीने बीत गए गांवो में विकास की धुरी प्रधान परेशान

सचिवों की कमी और डोंगल एक्टिवेट का न होना बनी वजह

अखंड भारत संदेश

करछना। उत्तर प्रदेश सरकार ने गांवो में विकास कार्य को बढावा देने के लिए बीते छ महीने पहले पंचायत चुनाव करा चुकी है, बावजूद उसके गांवो के विकास की धुरी कहें जाने वाले मुखिया प्रधानो के हाथ खाली पड़े हैं । इसे सरकारी तंत्र की लापरवाही कहें या सरकार की नाकामी ।विकास खंड करछना में अस्सी ग्राम पंचायतों में लगभग सभी पंचायतों में डोंगल एक्टिवेट न होने की वजह से विकास कार्य की धुरी ठप हैं, वित्तीय अधिकार विहीन होने की समस्या उत्पन्न होने के कारण गांव के विकास की धुरी कहें जाने वाले मुखिया प्रधान ब्लाक के संक्षम अधिकारियों के दफ्तरों की गणेश परिक्रमा कर रहे हैं । वहीं दूसरी ओर अधिकांश ग्राम पंचायतों में अभी खाते तक नहीं खुल सकें है, कारण पंचायत सचिवो और प्रधानो के बीच तालमेल न होना बताया जा रहा है ।, सिर्फ मौखिक आदेश पर उन्हे निर्देशित किया गया है । पंचायत सचिवो को भी छ महीने बाद हो गयें पंचायत चुनाव के बाद भी दर्जन भर से अधिक गांवो में वित्तीय अधिकार से वंचित रक्खा गया है । विकास खंड करछना के बसरिया, करछना, रोकडी, डाडो आदि ग्राम पंचायतों के अभी खाते तक नहीं खुल सकें है, तों विकास कार्य की बात कोशों दूर की बात है । कुछ ग्राम पंचायतों में प्रधानो द्वारा लाखों रुपए के उपर नाली खडंजा, इंटर लॉकिग आदि कार्य कराया हैं, वे भी महिनों से वे भी डोंगल एक्टिवेट न होने की वजह से भुगतान केलिए काफी हद तक अपने जेब से खर्च करके कंगाल बन कर डोंगल एक्टिवेट होने का इन्तजार कर रहे हैं ।

सचिव का डोंगल एक्टिवेट न होने वाले गांव चनैनी, डीहा, देवरी कला, बबुरा, बसही, खजुरौल, गडैला, बेदो, तरौल, घीसन का पूरा आदि ऐसे पचास से अधिक गांव के पंचायत सचिव के डोंगल जैसे वित्तीय अधिकार से वंचित रह गये हैं, अभी तक जो भी कार्य कुछ गांवो में कराए गए हैं वह सिर्फ मनरेगा कार्य तक सीमित है । इस बावत एडीओ पंचायत विकास खंड करछना विवेक कुमार मिश्रा नें बताया कि सचिवो के हस्तांतरण की वजह का कारण बताया और डोंगल एक्टिवेट के लिए ऊपर के अधिकारियों के पास भेजा गया है जैसे ही प्रक्रिया बहाल होगी तत्काल गांवो में कराएं गये कार्यो का भुगतान कीं समस्या पटरी पर दौडने लगेगी ।फिल हाल देखना होगा अभी प्रधानो एवं पंचायत सचिवो की समस्या पटरी पर लाने के लिए अभी कितना और इन्तजार करना पड सकता हैं ।

विधान सभा चुनाव की तैयारियों में जुटी आप पार्टी

बूथ स्तर पर प्रभारियो का किया जा रहा है गठन, आप पार्टी के कार्यकर्ता बूथ स्तर पर की चर्चा

अखंड भारत संदेस

`आम आदमी पार्टी नेता व कार्यकर्ता बूथ स्तर पर लोगों से चर्चा करते

करछना। आम आदमी पार्टी के दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया , यूपी के प्रभारी एवं सांसद संजय सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में तिरंगा संकल्प यात्रा द्वारा लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ा जा रहा है। पार्टी की जिला उपाध्यक्ष नेहा सिंह ने कहा की विधान सभा चुनाव को देखते हुये सभी ब्लॉक अध्यक्ष बूथ प्रभारीयों का चयन करके उनको जिम्मेदारी दे दी जाये।

नेहा सिंह ने अपील किया की 14 सितंबर को होने वाली ₹तिरंगा संकल्प यात्रा ₹ में जिले व सभी ब्लॉक के पदाधिकारी व कार्यकर्ता अयोध्या के गुलाबबाड़ी पहुँचने की तैयारी करें। पूरे जिले में किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह द्वारा किसानों की समस्या के निराकरण करने के लिये किसान महापंचायत यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं । जो जिले के सभी विधानसभाओं में चौपाल के माध्यम से किसानो की समस्याओं का निदान करेंगे। वाइस प्रेसीडेंट नेहा सिंह ने कहा की झूठे वादे व जुमले बाज सरकार में,शिक्षा, बिजली, पानी महंगाई, बेरोजगारी, किसान कई महीनों से धरना दे रहें हैं अब तक 250 किसान शहीद हो चुके हैं। अन्न दाताओं की बात सरकार को मान लेनी चाहिए। करछना वि.स.के कार्यकर्ता अभी से जुट जाएं पार्टी की सभी सरकारी सुविधाओं व सभी कार्यों को जनता तक पहुंचाये। आने वाला समय आप का होगा। इस मौके पर कमलेश, शेर बहादुर सिंह, मौजी लाल, सतेंद्र भारतीय, हबीब अहमद, नूरुल, रवि भारतीय, सुशील प्रजापति, के पी सिंह,पवन, मनोहर, सुनीता ,गायत्री पूनम, रामकरण, पप्पू, नागेंद्र, शिव लाल आदि।

खबर संक्षेप

सर्पदंश से नौजवान युवक की मौत परिजनों में कोहराम

जंघई। सरायममरेज थानांतर्गत ग्राम सभा चनेथू मौर्या बस्ती मे महेंद्र मौर्या के पुत्र शेषमनि मौर्या 32 वर्ष को शुक्रवार भोर में सर्प के उसने से मौत हो गई।पारिवारिक सदस्यों के अनुसार शेषमनि अपने कमरे में सोया था कि शुक्रवार भोर में सर्प चारपाई पर चढ़कर फुफकार मारा जोर से तो शेषमनि उठ गया जब तक शेषमनि भागता सर्प ने उसके हाथ में डस लिया।परिजन मसाढ़ी, हंडिया, मिजार्पुर, ज्ञानपुर लेकर गये लेकिन हर जगह जबाब मिला कि मृत्यु हो चुकी है।चार बहनों एवं दो भाईयों में शेषमनि दूसरे नंबर का था करीब दो वर्ष से घर पर ही रहकर रोजगार करता था इसके पूर्व बाहर रहता था। शेषमनि को तीन बच्चें है जिसमें दो बेटी और एक बेटा है बेटा एक महिने पूर्व 10 को अगस्त को अपने ननिहाल में पैदा हुआ था।अजीब बिडम्बना है कि शेषमनि अपने बेटे का मुंह तक अभी नहीं देख पाया था कि ठीक एक बाद उसकी मौत हो गई ।परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है शव का पोस्टमार्टम ज्ञानपुर अस्पताल में हुआ है शव परिजनों को शाम तक मिलने की उम्मीद है।

नाकाबंदी : संगम की धरती पर पहुंचेंगे महामहिम, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

रिहर्सल के दौरान कई राउंड उत्तरा सेना का हेलीकॉप्टर

● कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था हेतु मौजूद रहेंगे चार हजार से अधिक पुलिस के जवान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के शहर आगमन के मद्देनजर शहर में चप्पे-चप्पे पर नाकेबंदी कर दी गई। एक दिन पहले ही जवानों को सुरक्षा ड्यूटी में मुस्तैद कर दिया गया। अफसरों व पुलिसकर्मियों को मिलाकर चार हजार से ज्यादा जवान सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। तैयारी के मद्देनजर पुलिस व प्रशासनिक अफसरों की गाड़ियों शुक्रवार को दिन भर इधर से उधर दौड़ती रहीं। उधर पुलिस अफसरों की मौजूदगी में बम्हरौली से सर्किट हाउस और फिर पोल ग्राउंड से हाईकोर्ट स्थित कार्यक्रम स्थल तक फ्लीट रिहर्सल कर तैयारियों को परखा गया।

आयोजित कार्यक्रम के मद्देनजर एक दिन पहले से जवानों को ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात कर दिया गया। सुरक्षा में चार हजार से ज्यादा जवानों को तैनात किया गया है। कार्यक्रम के मद्देनजर पांच आईपीएस और आठ एडिशनल एसपी तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही 36 डिप्टी एसपी,

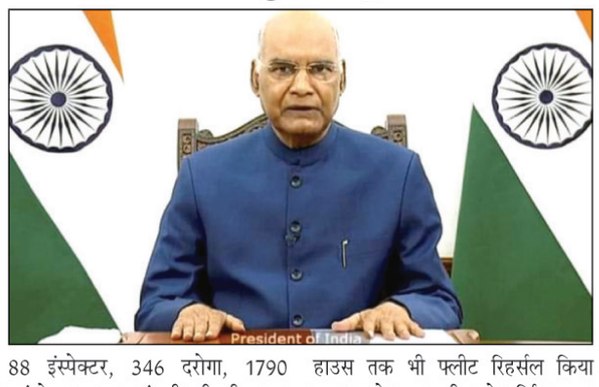

88 इंस्पेक्टर, 346 दरोगा, 1790 कांस्टेबल, चार कंपनी पीएसी, एक कंपनी आईटीबीपी लगाई गई है। यातायात व्यवस्था के लिए आठ इंस्पेक्टर, 55 एसआई, 200 हेडकांस्टेबल, 350 कांस्टेबल अलग-अलग प्वाइंट पर लगाए गए हैं। शुक्रवार दोपहर में फ्लीट रिहर्सल किया गया। पुलिस अफसरों की अगुवाई में फ्लीट में शामिल एस्कॉर्ट वाहनों को पोलो ग्राउंड से हाईकोर्ट स्थित कार्यक्रम स्थल तक ले जाया गया। इसी तरह बम्हरौली से सर्किट हाउस तक भी फ्लीट रिहर्सल किया गया। इसके बाद फ्लीट को सर्किट हाउस से संगम तक भी ले जाया गया। फ्लीट रिहर्सल के माध्यम से तैयारियों को परखा गया। एडीजी जोन प्रेमप्रकाश, आईजी रेंज केपी सिंह, डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी समेत तमाम अफसर भ्रमणशील रहकर तैयारियों का जायजा लेते रहे। एसपी प्रोटोकॉल कुलदीप सिंह ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जवानों को ड्यूटी प्वाइंट पर एक दिन पहले से ही तैनात कर दिया गया है।

पुलिस लाइन में डिप्टी एसपी स्तर के अधिकारियों ने की बैठक

ड्यूटी में लगाए गए पुलिस अफसरों व जवानों की इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में ब्रीफिंग की गई। इसमें पुलिस व जिला प्रशासन के आलाधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने पुलिसकर्मियों को प्वाइंटवार ड्यूटी समझाई। निर्देश दिया कि किसी भी हालत में अपना ड्यूटी प्वांट पुलिसकर्मी न छोड़ें। शाम को एक बार फिर पुलिस लाइन में डिप्टी एसपी स्तर के अधिकारियों संग बैठक की गई।

विशेष सुरक्षा बलों ने संभाला मोर्चा

एटीएस की टीम ने भी शुक्रवार दोपहर को मोर्चा संभाल लिया। कार्यक्रम स्थल के साथ ही पोलो ग्राउंड स्थित हेलीपैड और फिर सर्किट हाउस पहुंचकर जांच पड़ताल की। एटीएस अफसरों ने कार्यक्रम के मद्देनजर पुलिस अफसरों से भी बात की और दिशा निर्देश प्राप्त किए। उधर इंटेलिजेंस के साथ ही स्थानीय खुफिया इकाई की टीमें भी लगाई गई हैं।

हाईकोर्ट आने वाले सभी रास्ते बंद

उधर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए हाईकोर्ट के आसपास व वीवीआईपी मूवमेंट से संबंधित मार्गों पर एक दिन पहले ही बैरिकेडिंग कर दी गई। धूमनगंज से हाईकोर्ट, वाल्मीकी से न्यायविद हनुमान मंदिर, पत्थर गिरिजाघर से न्यायविद हनुमान मंदिर, पासकाउंटर से हाईकोर्ट, ओवरब्रिज से हाईकोर्ट, बाबा चौराहे से सर्किट हाउस आदि तमाम सड़कों पर बैरिकेडिंग कर दी गई।

अरविंद कुमार बिंद को पिछड़ा वर्ग मोर्चा सदस्य बनाए जाने पर खुशी

मेजा रोड। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी चुनाव की मजबूती को लेकर सदस्यों के मनोनयन में तेजी बढाई है। ताकि हर गाँव हर बूथ मजबूत हो सके।बतादें की माण्डा ब्लॉक के भौसरा नरोत्तम निवासी अरविंद कुमार बिन्द को भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग मोर्चा के सदस्य मनोनीत किया। इससे समर्थकों सहित पार्टी के पदाधिकारियों में खुशी की लहर व्याप्त है। वहीं नवनिर्वाचित सदस्य ने कहा कि पार्टी का प्रथम उद्देश्य हर गाँव का बूथ सबसे मजबूत करने का है। उन्होंने कहा कि इस जिम्मेदारी को ईमानदारी के साथ निर्वहन करूँगा।

अधिवक्ता सभा के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत हुए अनिल

मेजा रोड। मेजा विधानसभा क्षेत्र के मेजिया गांव निवासी अनिल यादव को समाजवादी पार्टी के अधिवक्ता सभा का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बता दें कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पदाधिकारियों का गठन किया जा रहा है। इसी क्रम मे अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप यादव के अनुमोदन पर प्रयागराज के अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष कमलेश रतन यादव ने मेजा विधानसभा के अधिवक्ता अनिल यादव को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। जिससे सपाइयों में खुशी का माहौल है। जिला उपाध्यक्ष मनोनयन पर अनिल यादव ने कहा कि सपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने एवं नियमों का पूर्णतः पालन करते हुए ईमानदारी के साथ समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने में अपना पूर्ण योगदान देते हुए पार्टी को मजबूती प्रदान करूंगा।

बारा विधानसभा का प्रबुद्ध सम्मेलन रविवार को

प्रदेश महामंत्री सांसद कन्नौज सुब्रत पाठक होंगे मुख्य अतिथि

शंकरगढ़। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार के बारा विधानसभा के प्रबुद्ध वर्ग का सम्मेलन रविवार को शंकरगढ़ के ज्योति गेस्ट हाउस निकट रेलवे स्टेशन पर दोपहर 1 बजे आयोजित किया गया है।जिसके मुख्य अतिथि भाजपा उत्तर प्रदेश के महामंत्री एवं काशी क्षेत्र प्रभारी सांसद कन्नौज सुब्रत पाठक होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभवनाथ भारती जिलाध्यक्ष यमुनापार करेंगे। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने देते हुए समाज के प्रबुद्ध वर्ग के अधिवक्ता, डॉक्टर, शिक्षक, पत्रकार, किसान सम्मिलित होंगे। समाज में विशेष योगदान रखने वालों को मंच द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने प्रबुद्ध वर्ग से अपील किया है कि वह भारी से भारी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

डिप्टी सीएम द्वारा विकास खण्ड सहसों का शिलान्यास कल

सहसों। नवसृजित विकासखण्ड सहसों का मुख्यालय ग्राम सभा थानापुर में प्रस्तावित है जिसका सीमांकन भी हो चुका है। जिसका शिलान्यास उप मुख्य मन्त्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ग्राम विकास व समग्र विकास मन्त्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह रविवार दिनांक 12 सितंबर को दोपहर 12 बजे करेंगे। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य लक्ष्मण आचार्य, सांसद फूलपुर केसरी देवी पटेल , विधायक प्रवीण पटेल व ब्लाक प्रमुख गीता सिंह उपस्थित रहेंगे। उक्त आशय की जानकारी खण्ड विकास अधिकारी सहसों दिव्या सिंह ने दिया।

प्रशासन ने तीन दिनों तक प्रदर्शनों पर लगाई रोक

अखंड भारत संदेश

कई राजनैतिक दलों ने जताया विरोध

प्रयागराज। राष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा का हवाला देकर पत्थर गिरजाघर समेत सार्वजनिक स्थानों पर तीन दिन के लिए धरना प्रदर्शन पर रोक लगाने पर युवा मंच के सदस्यों ने शुक्रवार को बैठक कर आक्रोश जताया है। डेलीगेसियों व कार्यालय में बैठक कर विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे आंदोलनों को दबाने का आरोप लगाया। कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में यह अलोकतांत्रिक कदम है। युवा मंच केसदस्यों ने कहा कि 19 सितंबर की जीआईसी प्रवक्ता की परीक्षा के बाद रोजगार के लिए आंदोलन तेज किया जाना है। उसके पहले आंदोलन की रणनीति के लिए प्रदर्शन होना था लेकिन प्रशासन ने ऐसा कर युवाओं की आवाज को दबाया है। युवा मंच संयोजक राजेश सचान ने कहा कि आज आजीविका का देशव्यापी संकट गहराता जा रहा है। उत्तर प्रदेश की स्थिति इससे अलग नहीं है लेकिन योगी सरकार सरकारी संसाधनों का बेजा इस्तेमाल कर रोजगार सृजन की बेहतर तस्वीर पेश करने में लगी है। इसकी सच्चाई उजागर होने के भय से शांतिपूर्ण ढंग से जारी धरना प्रदर्शन को सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देकर बैन किया गया। युवा मंच अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि प्रदेश में पांच लाख रिक्त पदों को भरने, हर युवा को गरिमापूर्ण रोजगार की गारंटी और रोजगार मिलने तक जीवन निर्वाह लायक बेकारी भत्ता के आंदोलन को अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। युवा मंच प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राम बहादुर पटेल व सीएमपी डिग्री कालेज के पूर्व अध्यक्ष करन सिंह परिहार ने शांतिपूर्ण ढंग से रोजगार संकट व सरकार की नीतियों के विरोध में आवाज उठाना युवाओं का लोकतांत्रिक हक है, इसे कोई भी सरकार छीन नहीं सकती है। अनंत प्रकाश सिंह, संजय तिवारी, सुरेश कुमार यादव, देवव्रत दूबे, रोहित, ईशान, अर्चना, बीएल यादव, धर्म राज यादव, श्रीकांत मिश्रा आदि मोजूद रहे।

पत्रकार के निधन पर शिक्षक संघ नें बैठक कर जताया शोक

करछना। उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ ने जताया गहरा शोक झ उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वित्तविहीन गुट प्रयागराज की आपात बैठक एच डी भगत इण्टर कॉलेज रामपुर में जिलाध्यक्ष ननकेश बाबू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमे गत 5 सितम्बर को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के संस्थापक/राष्ट्रीय संयोजक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय के अनुज एवं हिन्दी दैनिक पवन प्रभात के प्रधान संपादक पवनेश उपाध्याय के चाचा वरिष्ठ पत्रकार और समाजसेवी अश्वनी कुमार उपाध्याय के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की गई कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करें।

बैठक में अभयराज सिंह, फूलचंद कन्नौजिया, बुद्धराम यादव, सीताशरण सिंह, अमरबहादुर, जेपी यादव, गोविंद भूर्तिया, बालेंदु गौतम, अवधेश श्रीवास्तव, बीरेंद्र शैलेश, अमरचंद, सर्वेश, मान सिंह, शिवमोहन पटेल, रवि करन सिंह, अनिल विश्वकर्मा, प्रेमचन्द, सी बी यादव, कमलचन्द, शिवमूरत पटेल, भुवाई लाल यादव, सीपी मिश्रा सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

केंद्र सरकार की तरफ से मुकदमों की ठीक से नहीं हो रही पैरवी : हाईकोर्ट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज(इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि हाईकोर्ट में जिन मुकदमों में केंद्र सरकार पक्षकार है उनमें केंद्र सरकार की ओर से पैरवी नहीं की जा रही है। कोर्ट ने कहा कि हमें यह कहते हुए दुख है कि समय दिए जाने के बावजूद केंद्र सरकार के अधिवक्ता मुकदमों में सरकार का पक्ष रखने के लिए उपस्थित नहीं हो रहे हैं। कोर्ट ने इस मामले में अपर सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर 22 सितंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। नेहरू युवा केंद्र की जिला संयोजक शमीम बेगम की याचिका पर न्यायमूर्ति डॉ. के जे ठाकर और न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र की पीठ सुनवाई कर रही है।याची का पक्ष अधिवक्ता विभू राय ने रखा। याची को गलत तरीके से एचआरए का भुगतान करा लेने के आरोप में दोषी करार देते हुए कार्रवाई की गई। इसके खिलाफ याचिका केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने खारिज कर दी, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। अधिवक्ता विभू राय का कहना था कि याची की सेवानिवृत्ति में मात्र 2 वर्ष बचे हैं और उसके खिलाफ एकतरफा कार्रवाई करते हुए उसके तीन इंक्रीमेंट स्थायी रूप से रोक दिए गए।कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। मगर सुनवाई की दो तारीखें बीत जाने के बाद भी केंद्र की ओर से न तो जवाब दाखिल किया गया और ना ही कोई अधिवक्ता केंद्र सरकार का पक्ष रखने के लिए उपस्थित हुआ। इस पर कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य में केंद्र सरकार के मुकदमों की पैरवी ठीक से नहीं हो रही है। बावजूद इसके कि हमने सहायक सॉलिसिटर जनरल से अनुरोध किया, मगर मुकदमे में केंद्र सरकार की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। जबकि कोर्ट को आश्वासन दिया गया था कि कोई ना कोई अधिवक्ता सुनवाई के दौरान उपस्थित होगा। याचिका की अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए उपायुक्त से मिले रोजगार सेवक

जिला अध्यक्ष अरुण यादव की अगुवाई में हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही अन्य बिंदुओं का मांग पत्र सौंपा

अखंड भारत संदेश

उपायुक्त श्रम व रोजगार कपिल कुमार को मांग पत्र सौंपते रोजगार सेवक

प्रयागराज। साथी के पिता की हत्या से आक्रोशित रोजगार सेवकों ने शुक्रवार को उपायुक्त मनरेगा से मिलकर मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने के साथ ही सम्पूर्ण घटनाक्रम से उन्हें अवगत कराया। साथ ही घटना से सम्बन्धित एक मांग पत्र भी उपायुक्त मनरेगा को सौंपा। ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अरूण यादव ने प्रमुख बिंदुओं से सम्बन्धित मांग पत्र उपायुक्त मनरेगा कपिल कुमार को सौंपते हुए कहा कि जनपद के रोजगार सेवकों के साथ आए दिन अप्रिय घटना घट रही है जिसका अब पुरजोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने मृतक के परिजनों को दस लाख आर्थिक मदद दिलाने के साथ ही सभी हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। बता दें कि विकास खण्ड के सेमरा गांव के ग्राम रोजगार सेवक अनिल कुमार सरोज के साथ दबंगों द्वारा मारपीट करने व उनके पिता की निर्मम हत्या किए जाने से ग्राम रोजगार सेवकों में भारी आक्रोश व्याप्त था। इसी को लेकर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश पटेल के नेतृत्व में जनपद के रोजगार सेवक जिला स्तरीय अधिकारियों से मिलकर ऊक्त मामले में हस्तक्षेप कर कठोर कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। मंडल अध्यक्ष विजय चंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि ग्राम पंचायत में कार्यरत रोजगार सेवक अधिकारियों की अनदेखी के चलते हिंसा का शिकार हो रहा है। वहीं जिला मीडिया प्रभारी हरिओम प्रकाश ने बताया कि सोमवार को रोजगार सेवकों का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर उक्त घटना के साथ ही रोजगार सेवकों की महत्त्वपूर्ण समस्याओं से उन्हें अवगत कराएगा। मौके पर बहादुरपुर ब्लाक अध्यक्ष पंकज पटेल,अमरेश कुमार, राजीव यादव, नरेंद्र कुमार, अरूण कुमार पाण्डेय,शिववश बिंद, अशोक कुमार, राजेन्द्र कुमार दोहरे, ज्योति केसरवानी, दिलीप कुमापर सहित अन्य रोजगार सेवक मौजूद रहे।

धोखाधड़ी के आरोप में प्रधान डाकघर के दो अधिकारी हुए नामजद

अखंड भारत संदेश

कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

प्रयागराज। प्रधान डाकघर में ढाई लाख की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कानपुर निवासी 70 वर्षीय लल्लूराम यादव ने आरोप लगाया है कि उनके ढाई लाख रुपये फजीर्वाड़ा कर गायब कर दिए गए हैं। उनकी तहरीर पर प्रवर अधीक्षक संजय डी व डाकपाल राजेश श्रीवास्तव को नामजद किया गया है। साथ ही अज्ञात कर्मचारियों को भी आरोपी बनाया गया है। कानपुर के फजलगंज निवासी भुक्तभोगी ने तहरीर देकर बताया है कि उसने प्रधान डाकघर सिविल लाइंस में ढाई लाख रुपये सावधि जमा योजना के अंतर्गत जमा किए थे। जनवरी में रुपयों की जरूरत होने पर वह डाकघर पहुंचे तो बताया गया कि उनके रुपये निकाले जा चुके हैं। मामले में लिखित शिकायत करने के कुछ दिनों बाद उनके घर पर पत्र भेजकर बताया गया कि डाकघर के अभिलेखों के अनुसार उक्त खाता अस्तित्व में नहीं है। भुक्तभोगी का आरोप है कि उनके दस्तखत के बिना फजीर्वाड़ा कर उनके खाते से रुपये निकाल लिए गए। उसने मामले की शिकायत सिविल लाइंस थाने और एसएसपी से की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद उसने कोर्ट में गुहार लगाई। कोर्ट ने आदेश किया तब जाकर सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज किया गया। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

यूपीपीएससी के पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रभुनाथ की याचिका हाईकोर्ट से हुआ खारिज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फेल को पास और पास को फेल का षडयंत्र करने के आरोपी उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रभुनाथ की गिरफ्तारी पर रोक की मांग को लेकर दाखिल याचिका खारिज कर दी है। याचिका में निष्पक्ष पारदर्शी जांच कराने की भी मांग की गई थी।यह आदेश न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी तथा न्यायमूर्ति आरके गौतम की खंडपीठ ने याचिका वापस करते हुए दिया है। याचिका पर घोटाले की जांच कर रही सीबीआई की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश ने प्रतिवाद किया। आयोग में अपर निजी सचिव (एपीएस) भर्ती-2010 में घोटाले की जांच कर रही सीबीआई ने दिल्ली में चार अगस्त 2021 को आयोग के पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रभुनाथ के खिलाफ एफ आईआर दर्ज कराई थी।प्रभुनाथ के साथ आयोग के अज्ञात कर्मचारी/अफसरों और बाहरी अज्ञात लोगों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। सीबीआई ने आयोग से अभियोजन स्वीकृति मांगी है, ताकि एफआईआर में शामिल आयोग के अज्ञात कर्मचारियों/अफसरों को नामजद करते हुए कार्रवाई की जा सके। उधर, प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति ने हाईकोर्ट से पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रभुनाथ की याचिका खारिज होने के बाद आयोग के अध्यक्ष से मांग की है कि सीबीआई को तत्काल अभियोजन स्वीकृति प्रदान की जाए। समिति के अध्यक्ष अवनीश पांडेय और मीडिया प्रभारी प्रशांत पांडेय का कहना है कि पूर्व परीक्षा प्रभुनाथ के साथ इस घोटाले में शामिल अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों, जिनके खिलाफ नामजद मुकदमा पंजीकृत करने के लिए सीबीआई ने आयोग को फाइल भेजी है, उस पर आयोग के अध्यक्ष को तत्काल निर्णय लेते हुए अनुमति दे देनी चाहिए ताकि भ्रष्टाचार में शामिल अन्य लोगों पर भी कानूनी कार्रवाई हो सके।

कानूनगो और लेखपाल के खिलाफ दर्ज हो मुकद्दमा : पीड़िता

तहसील प्रशासन कर्मियों को बचाने में जुटा, अधिवक्ता, पत्रकार, सोशल वर्कर नाराज, डीम और पुलिस डीआईजी से मिलेंगे

कोरांव। कोरांव तहसील में जिंदा को मुर्दा बना बना कर संपत्ति हड़पने के मामले कई हो गए किंतु किसी को राजस्व अफसरों ने सबक नहीं सिखाया जिससे धोखेबाजों और उनके सागिर्द राजस्व क्रमचारियो के हौसले बुलंद हैं। बता दें कि ग्राम अल्हवा निवासी सुखलाल पटेल पुत्र पन्ना लाल द्वारा अपने रिश्तेदार लेखपाल देवघाट को पटा कर ग्राम महुली निवासी मालती पाल पुत्र सुखलाल पाल की ग्राम देवघाट में स्थित भूमि को ऐंठने के लिए जिंदा मालती को मृतक दिखा कर अपने नाम करा लिया। और साल भर चुप्पी साधे बैठा रहा। तीन दिन पूर्व जब मालती देवी ने अपनी खाता की खतौनी सहज सेवा केंद्र देवघाट से निकलवाई तो पता चला वह वर्ष दो हजार बीस में ही मर चुकी है।। और उसकी जमीन किसी दूसरे के नाम यानी लेखपाल के रिश्तेदार और घूसखोर कानूनगो बड़ोखर राम आसरे की कृपा से भू अभिलेखों में दर्ज हो चुकी है। जिसकी शिकायत तहसीलदार कोराव से की गई तो उन्होंने एक दूसरे कानूनगो को जांच सौंप दी। फिर क्या था फ्राड कर्ता बचने के लिए और फ्राड करने वाले लेखपाल कानूनगो को बचाने के लिए धन वर्षा करने लगा। सुनवाई कार्यवाही में विलम्ब देख अधिवक्ताओं ने पिरिता को न्याय दिलाने तथा फ्राड कताओं के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए आठ सितंबर को उप जिलाधिकारी कोराव को प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने शिकायती प्रार्थना पत्र अपने पास रख लिया। और कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस संबंध में जिंदा से मुर्दा हुई मालती अपनी जिंदा लाश जिले के जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान के सामने पेश हो कर भूमि को अपने नाम कराने वाले सुखलाल पटेल तथा लेखपाल देवघाट एवम कानूनगो बड़ोखर आदि के खिलाफ प्रथिमिकी दर्ज कर जेल भेजे जाने की मांग करेगी। चर्चा है कि तहसील अधिकारी अपने कर्मियों को बचाने के लिए कार्रवाई करने से आना कानी कर रहे हैं। मालती देवी के पति सुखलाल पाल सहित उनके आधा दर्जन पुत्रों बहुओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर जा कर मिलने और दोषियों को जेल भेजे जाने की मांग करेंगे।

भारी मात्रा नशीले इंजेक्शन के संग दो गिरफ्तार

अखेंड भारत संदेश

नैनी। स्थानीय पुलिस व एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से नशे का कारोबार करने वाले दो नशे के सौदागरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में नशीला इंजेक्शन व निडिल के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों को पुलिस ने पहले भी नशीली दवाओं के कारोबार करने के आरोप मे सलाखों के पीछे भेज चुके हैं। जानकारी के मुताबिक जरिए मुखबिर की सटीक सूचना पर एसआई उपेंद्र कुमार व एसओजी उप निरीक्षक आशीष कुमार दलबल के संग शुक्रवार सुबह इंदलपुर स्थित उपकेंद्र के समीप नीरज पटेल निवासी छोटा चाका, एफसीआई रोड और अनूप पटेल निवासी एफसीआई रोड, चकलाल मोहम्मद नैनी को गिरफ्तार कर नैनी कोतवाली उठा लाए। पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 400 पीस नशीला इंजेक्शन, 152 निडिल एवं 713 रूपए नकदी बरामद किया गया है। पकड़े गए दोनो आरोपियों को पुलिस पहले भी नशीली दवाओं का गोरखधंधा करने के मामले में जेल भेज चुकी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए चला कर दिए।

गैंगेस्टर का वांछित आरोपी गिरफ्तार

नैनी। पुलिस एवं क्राइम ब्रांच की टीम ने छिवकी स्टेशन के बाहर एक पान की दुकान के समीप गैंगेस्टर एक्ट के वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिए। इंस्पेक्टर नैनी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि एसएसआई अजय कुमार सिंह व क्राइम ब्रांच के एसआई संतोष कुमार सिंह की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन के बाहर पान दुकान के पास से गैंगेस्टर एक्ट के वांछित हेम प्रकाश मिश्रा, निवासी खाई, थाना करछना को गिरफ्तार कर चालान कर दिए।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक घायल

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र स्थित जायसवाल नगर के समीप शुक्रवार दोपहर बाइक सवार युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस के मुताबिक घायल युवक की पहचान नहीं हो पाया है।

प्रतापगढ़ संदेश

भोर चार बजे से नगर पालिका के 30 कर्मचारी अस्पताल में सफाई करने में जुटे

आयुक्त की नाराजगी व जिलाधिकारी के निर्देश पर नपा ने युद्ध स्तर पर चलाया अभियान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका ने शुक्रवार की भोर चार बजे से ही जिला अस्पताल में नाले-नालियों की सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर चलाकर प्रातः नौ बजे तक सभी नाले-नालियों की विधिवत सफाई की जिसमें 30 सफाई कर्मचारी पानी खींचने की मशीन और नाला गैंग लगा हुआ था।

यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह बताते हैं कि जिला अस्पताल में स्वीपर की व्यवस्था है फिर भी आयुक्त प्रयागराज के जिला अस्पताल के निरीक्षण के समय जलभराव व गंदगी देख आयुक्त नाराज हुए थे जिस पर जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह से अस्पताल की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने को कहा था जिसके दूसरे दि नही जिला अस्पताल में नाला क्लीनिंग मशीन लगाकर सफाई की गई थी। इसके दो दिन बाद शुक्रवार को नगर पालिका ने 30 सफाई कर्मचारियों की अपनी टीम लगाकर साफ-सफाई कराई। जिला अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड के सामने नाली पट गई थी। वहां कच्ची नाली बनाकर जल निकासी की गई। आज की हुई बडे स्तर की सफाई में जगह-जगह मलबा निकलकर रखा है जिसे शनिवार को हटाया जाएगा। नगर पालिका कर्मचारियों ने जिला अस्पताल में भीड़ होने से पहले ही पूरा काम कर लिया था। बता दें कि जिला अस्पताल में बडे स्तर पर निर्माण कार्य चल रहा है जिसके लिये ट्रकों का आना जाना रहता है। इससे भी नाले-नालियां टूट जाती हैं। इसके अलावा नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह व ईओ मुदित सिंह के निर्देशन में नगर में रोज साफ-सफाई के कारण फागिंग व एंटी लार्वा का छिड़काव किया जा रहा है।

कम्पनी गार्डेन से चौक तक लगी अवैध होर्डिंग हटाई गई

प्रतापगढ़। कम्पनी गार्डेन से लेकर चौक तक शुक्रवार को नगर पालिका ने अवैध होर्डिंग को गिरा दिया और होर्डिंग टैड्रक्टर पर लादकर चले गये। बताया जाता है कि जिन होर्डिंग का पैसा नगर पालिका में नहीं जमा कराया गया था, उन होर्डिंगों को हटा दिया गया है। होर्डिंग हटाये जाने से हड़कंप मचा रहा।

प्रेम प्रसंग मे प्रेमिका ने भाई के साथ मिलकर की प्रेमी की हत्या, हुई गिरफ्तार

पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ दर्ज हुआ था हत्या का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

बीते इक्तीस अगस्त को लालगंज के बलीपुर कटरा स्थित नहर मे मिला था युवक का शव

लालगंज प्रतापगढ़। कोतवाली के बलीपुर कटरा स्थित नहर में बीते 31 अगस्त को युवक का शव मिलने की घटना को लेकर पुलिस ने शुक्रवार को खुलासा किया। मामले मे मृतक युवक की प्रेमिका को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। घटना मे संलिप्तता को लेकर प्रेमिका के साथ ही तीन और युवकों के नाम पुलिस की छानबीन मे प्रकाश मे आये है। पुलिस उन आरोपियो की गिरफ्तारी को लेकर दबिश दे रही है।

सांगीपुर थाना क्षेत्र के रंजीत का पुरवा मुरैनी निवासी राजेन्द्र वर्मा (26) पुत्र रामफल वर्मा का शव लालगंज कोतवाली क्षेत्र के कटरा बलीपुर स्थित नहर में 31 अगस्त की सुबह उतराया मिला था। मृतक के गले पर कटे का निशान मिला था। मामले मे हत्या की आशंका जताते हुए मृतक राजेन्द्र के पिता ने अज्ञात के खिलाफ लालगंज कोतवाली मे तहरीर दी थी। जिस पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर घटना की छानबीन मे जुटी थी। कोतवाल लालगंज कमलेश पाल के अनुसार मृतक राजेन्द्र वर्मा बड़ोदरा गुजरात मे सब्जी का व्यवसाय किया करता था।

वहीं बडोदरा में जिले के अंतू थाना क्षेत्र के रामनगर भोजपुर किठावर निवासी अवधेश यादव अपनी पत्नी सोना यादव के साथ सब्जी का व्यवसाय करता था। यही राजेन्द्र और सोना यादव के बीच प्रेम प्रसंग परवान चढ़ गया, लेकिन इधर परिवार वालों ने राजेन्द्र वर्मा का विवाह तय कर दिया और उसकी सगाई की तारीख भी तय कर दी। सगाई से नाराज सोना यादव ने अपने भाई व अन्य के साथ मिलकर राजेन्द्र वर्मा की हत्या कर दी और शव को लालगंज कोतवाली के कटरा बलीपुर स्थित नहर मे फेंक दिया। कोतवाल ने बताया कि आरोपित सोना यादव को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर घटनास्थल से घटना में प्रयुक्त चाकू को बरामद किया गया है। आरोपी सोना को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया।

जहरीला पदार्थ खाने से किशोरी की मौत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। संदिग्ध परिस्थितियों मे जहरीला पदार्थ खाने से किशोरी की मौत हो गयी। पुलिस को बिना सूचना दिये परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के सराय लाल शाह निवासी श्यामलाल वर्मा की पुत्री कल्पना (17) ने गुरूवार की शाम संदिग्ध परिस्थितियों मे जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होते ही आननफानन मे परिजन उसे लेकर सांगीपुर सीएचसी पहुंचे। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सको ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि जिला अस्पताल मे इलाज के दौरान शुक्रवार की सुबह कल्पना की मौत हो गयी। इसके बाद परिजन शव लेकर घर चले आये और शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

सर्पदंश से किशोरी की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

बाघराय, प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के बंशियारा गांव निवासिनी अंजू निर्मल (14) वर्ष पुत्री छब्बेलाल अपने घर के पास सफाई कार्य कर रही थी तभी वहीं पर बैठे एक सांप ने किशोरी अंजू के हाथ में डंस लिया। स्वजन इलाज हेतु आसपास के प्राइवेट चिकित्सालय ले गए किंतु अंजू की मौत हो चुकी थी। अंजू की मौत हो जाने से स्वजनो का रो रो कर बुरा हाल है।

चार माह से कालाकांकर गंगातट किनारे पीएसी की टुकड़ी तैनात

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कोरोना वायरस के चलते लगभग 4-5 माह से कालाकांकर गंगातट किनारे मंदिर पर एक प्लाटून पीएसी अभी तक तैनात हैं। जानकारी करने पर हेड कांस्टेबिल दीपक सिंह ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते गंगा में शव को फेकने व दफनाने के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार ने रोक लगा रखी थी जिसके चलते कालाकांकर में एक प्लाटून पीएसी की डियूटी लगा दी गयी थी कोई भी शव को गंगा में न फेकने पाए व बालू में दफना न सके केवल शव को जलाने की अनुमति दी गई थी। उसी की सुरक्षा में हम लोग मां गंगा की शरण मे पड़े हुए हैं।

गैंगस्टर का वांछित इनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन पर पुरस्कार घोषित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में शुक्रवार को कोतवाली कुण्डा प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार भारती अपने हमराही के साथ मु0अ0सं0 135/2021 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित 25 हजार का इनामिया अभियुक्त शहबान अली पुत्र असफाक अली नि0 मौली थाना कुंडा को थाना क्षेत्र कुण्डा के चिकवन टोला कस्बा कुण्डा से गिरफ्तार किया।

रोटरी ने अनाथ बच्चों की सुध ली, भेंट की जरूरत की चीजें

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कोरोना काल से ही तंगी की मार झेल रहे बाबा राम उदित सेवा संस्थान शुकुलपुर के अनाथ बच्चों की सुध रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेंट्रल के पदाधिकारियों ने ली है। पूर्व रोटेरियन ज्ञान प्रकाश खरे की पुण्यतिथि पर पत्नी श्रीमती कुमुद प्रकाश खरे ने रोटेरियन डॉक्टर शिव मूर्ति लाल मौर्य, संदीप प्रकाश खरे अध्यक्ष, राजेन्द्र खण्डेलवाल पूर्व अध्यक्ष, अश्विनी केसरवानी उपाध्यक्ष, अख्तर मसूद शर्फुद्दीन कोषाध्यक्ष, उमेश प्रताप सिंह, शरद केसरवानी सचिव, बसंत लाल मौर्य की उपस्थिति में बच्चों की देखभाल हेतु खाद्य, खेलकूद एवं पढ़ाई-लिखाई से संबधित वस्तुएं वितरित की।

बिना पूछे पत्नी को ले गया ससुराल तो घर वालों ने की पिटाई, मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। नवविवाहिता को पति बिना पूछे ससुराल में निमंत्रण लेकर चला गया तो यह बात पिता और भाई को नागवार गुजरी पत्नी को लेकर घर पहुंचने पर नाराज पिता और भाई ने उसे जमकर मारा पीटा। पीड़ित की तहरीर पर भाई और पिता पर पुलिस ने संबंधित धाराओं पर मुकदमा दर्ज कर लिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के मनभौना गांव के रहने वाले गुलशन हरिजन पुत्र महेंद्र की शादी कुछ दिन पहले हुई थी उसकी ससुराल में दो दिन पहले कार्यक्रम था जिसमें वह अपनी पत्नी को लेकर घरवालों से बिना पूछे ही ससुराल चला गया। वह शुक्रवार की सुबह अपनी पत्नी को लेकर घर लौटा तो बिना पूछे ही जाने से नाराज पिता महेंद्र व भाई दीपक से उसकी कहासुनी हो गई। दोनों ने उसे जमकर मारा पीटा जान से मारने की धमकी दी पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने भाई और पिता के ऊपर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया।

महाभिषेक से हुआ जैन धर्म के दसलक्षण महापर्व का शुभारंभ हाभिषेक से हुआ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर के बाबागंज जैन मंदिर में जैन धर्म के पर्वराज पर्युषण पर्व का शुभारंभ 108 कलशों से महामस्तकाभिषेक से किया गया। दसलक्षण धर्म के प्रथम व्रत उत्तम क्षमा का पूजा किया गया। इस उपरांत रतन जैन जी ने कहा कि जैन धर्म मे दसलक्षण धर्म का बहुत ही ज्यादा महत्व है सभी जैन अनुयायी दसलक्षण धर्म को एक त्योहार के रूप में मनाते हैं। प्रकाश जैन ने कहा कि जैन धर्म एक प्राचीन धर्म है हम दसलक्षण धर्म का पालन प्राचीन समय से ही करते आ रहे है। इस दसलक्षण धर्म के 10 अणुव्रतों में पहला अणुव्रत उत्तम है। इस दौरान अरविंद जैन, आकर्ष जैन, दीपेश जैन रवि जैन, मंजू जैन, पूनम जैन आदि मौजूद रहे।

नरहरपुर अण्डरपास को लेकर ग्रामीणों ने डीएम का किया घेराव

युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में सौंपा मांग पत्र

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। गांव की समस्याओं को लेकर ग्रामसभा वासियों के साथ शुक्रवार को जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल का युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा0 नीरज तिवारी के नेतृत्व में घेराव कर नारेबाजी करते हुए मांग पत्र सौंपा गया। मांग पत्र में कहा गया कि जल्द से जल्द नरहरपुर अंडरपास बनाया जाए अन्यथा हम सभी ग्रामसभा वासियों के साथ मिलकर सड़क पर उतर कर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।बता दें कि प्रयागराज-अयोध्या राजमार्ग-330 से विकास खंड मंगरौरा के नरहरपुर ग्राम सभा के मध्य स्थित क्रासिंग पर अण्डर पास न होने की दशा में लगभग 30 गांव जिसमें मुख्य रुप से नरहरपुर, औरंगाबाद, पुरबपट्टी सहित कई गांव के नागरिक प्रभावित हैं। इस दौरान डॉ नीरज त्रिपाठी ने कहा कि उक्त गांव के लोगों को आने जाने में परेशानी है। कोई बीमार हो जाए तो एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती है जिसकी वजह से कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इस मौके पर आलोक चतुर्वेदी, वंश प्रकाश सिंह, राम किशोर सिंह जयप्रकाश सिंह रमेश सिंह, अखिलेंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र ऐठू में कृषक जागरूकता संगोष्ठी सम्पन्न

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र अवधेशपुरम ऐंठू में प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेज्ड्यू योजनान्तर्गत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय एक दिवसीय फसल अवशेष (पराली) प्रबन्धन कार्यक्रम के अंतर्गत कृषक जागरूकता गोष्ठी सम्पन्न हुई।

गोष्ठी में किसानों को फसल तैयार होने के बाद अवशेष बचे हिस्से पराली को न जलाने की सलाह दी गई, क्योकि खेत में बचे अवशेष को जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है जिसे खेत मे न जलाने के लिए सुझाव दिया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ0 अतर सिंह (निदेशक आईसीएआर अटारी कानपुर) रहे। कार्यक्रम में डॉ0 आरिफ ब्राडवे (निदेशक प्रसार सुवाट्स इलाहाबाद), डॉ0 मदन सिंह (वैज्ञानिक कृषि प्रसार निदेशालय सुवाट्स), डॉ0 आलोक मेल्टन (वैज्ञानिक कृषि प्रसार निदेशालय सुवाट्स), डॉ0 रघुराज सिंह (उपनिदेशक कृषि प्रतापगढ़), डॉ0 अंशुमान सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक सीआईएसयच रहमानखेड़ा लखनऊ), डॉ0 रवि (वैज्ञानिक सीआईएसयच रहमानखेड़ा लखनऊ), डॉ0 अखिलेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं हेड कृषि विज्ञान केंद्र अवधेशपुरम) एवं कृषि विज्ञान केंद्र अवधेशपुरम की समस्त टीम के साथ-साथ जिले के विभिन्न किसान बंधु सम्मिलित रहे। उधर राजा दिनेश सिंह कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अवधेशपुरम् (ऐंठू) परिसर में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की वैठक का आयोजन किया गया। इस वैठक की अध्यक्षता केन्द्र की अध्यक्षा राजकुमारी रत्ना सिंह जी के प्रतिनिधि के रूप में उनके सुपुत्र कुँवर भुवन्यू सिंह ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए कुँवर भुवन्यू सिंह ने विभागों से आये वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा किसानों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

वल्लभ पंत ने हिन्दी भाषा को दिया था राज्य भाषा का दर्जा : विंध्याचल

जयंती पर याद किये गये पंडित गोविन्द वल्लभ पंत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राजकीय इंटर कालेज बरहदा में वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रख्यात राजनीतिज्ञ, उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री व स्वतंत्र भारत के चौथे गृह मंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत का जन्म दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।सर्वप्रथम प्रधानाचार्य डॉ विंध्याचल सिंह ने मां सरस्वती और पंडित गोविंद बल्लभ पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा पुष्प अर्पित किए। तत्पश्चात छात्राओं द्वासरा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत कार्यक्रम आयोजित हुआ है। प्रधानाचार्य डॉ विंध्याचल सिंह ने पंत जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा बताया कि पंत जी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा वरिष्ठ राजनीतिज्ञ थे।

संतोष मिश्रा बने किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

इहर बूथ पर मजबूती के लिए पदाधिकारी मिलकर करें काम : संतोष मिश्रा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। हर बूथ पर भाजपा को मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को रानीगंज विधानसभा के बभन मई में विधायक के कैंप कार्यालय पर रानीगंज मंडल के पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बूथ विजन के मिशन को मजबूती देने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल प्रभारी संतोष मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पदाधिकारी सभी मिलकर हर बूथ पर जीत का लक्ष्य बनाकर कार्य करें। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष प्रशांत श्रीवास्तव, बृजेश पटेल, विनोद पाण्डेय, अरविंद मिश्रा, अंकित पटेल लोग मौजूद रहे।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा कार्यकारिणी में रानीगंज मंडल प्रभारी वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष मिश्रा का मनोनयन किए जाने पर जोरदार स्वागत बृहस्पतिवार को भाजपा कार्यालय में किया गया। जिला भाजपा अध्यक्ष हरिओम मिश्र के नेतृत्व में भाजपाइयों ने उन्हें फूल माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी रामजी मिश्रा, गजराज सिंह, रजत खंडेलवाल, राजेंद्र मौर्य, हरीश जी, रवि गुप्ता सहित अनेकों पदाधिकारियों ने श्री मिश्र को माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। बता दें कि मंगलवार की शाम संतोष मिश्रा के प्रदेश कार्यकारिणी किसान मोर्चा के सदस्य मनोनीत किए जाते ही जिले में एवं रानीगंज विधानसभा मंडल क्षेत्र में लोगों ने मिठाई बांटकर खुशियां मनाई। एक अन्य समाचार के अनुसार भाजपा देल्हूपुर मंडल प्रभारी साधु दुबे एवं उनके मंडल की टीम ने संतोष मिश्रा के किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी में रखे जाने पर उनका माल्यार्पण करके स्वागत किया।

छेड़खानी का विरोध करने पर दबंगों ने दो युवकों को मारी गोली

जिला अस्पताल में चल रहा इलाज, पुलिस कर रही जांच

अखंड भारत संदेश

रानीगंज, प्रतापगढ़। छेड़खानी का विरोध करने पर दबंगों ने दो युवकों को गोली मार दी जिससे दोनों घायल हो गये। इलाज के लिये उन्हें स्थानीय चिकित्सालय ले जाया गया जहां से उन्हें जिला अबस्पताल के लिये रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

रानीगंज पावर हाउस तिराहे पर शुक्रवार की सुबह नौ बजे छेड़छाड़ का विरोध करने पर फारूक निवासी पूरेगोलियां व चाय की दुकान चलाने वाले मुख्तार निवासी दरियापुर को गोली मार दी गई जिसे गंभीर अवस्था में पहले रानीगंज ले जाया गया जहां से दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

इसमें फारुख ने बताया कि शुक्रवार की सुबह जीशान निवासी भूलाईपुर जो ननिहाल की गद्दी पर दरियापुर में रहता है, सुबह विद्यालय के पास खड़े होकर लड़कियों पर छींटाकशी कर रहा था, जिसका विरोध फारूक ने किया। इस बात को लेकर खुन्नस खाए जीशान अपने अन्य आधा दर्जन साथियों के साथ बाईक से सुबह नौ बजे पावर हाउस के पास बाल कटवाने के लिये बैठे थे तभी उक्त लोगों फारुख के ऊपर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी जिससे फारुख के हाथ में व चाय की दुकान चलाने वाले मुख्तार के पेट व कंधे पर दो गोलियां लगी है जिसे गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर किया गया। मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स सीओ रानीगंज अतुल अंजान व थानाध्यक्ष रानीगंज के नेतृत्व में मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस दबंगों की तलाश कर रही है।

घर के सामने पेड़ से लटकता मिला अधेड़ का शव

परिजनों ने मृतक को बताया मनोरोगी

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। कोतवाली के कौशिल्यापुर गांव मे शुक्रवार की सुबह अधेड़ का शव पेड़ से लटकता मिलने पर सनसनी फैल गयी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए भेजवाया। घटना को लेकर मृतक के भाई ने पुलिस को इत्तेफाकिया शिकायती पत्र देते हुए आत्महत्या किये जाने के बात कही है। लालगंज कोतवाली के कौशिल्यापुर गांव निवासी छोटे लाल सरोज पुत्र स्व. बाबूलाल सरोज का शव शुक्रवार करीब साढे छह बजे उसके घर के दरवाजे पर स्थित नीम के पेड की डाल से लटकता पाया गया। सुबह उसकी बहू गुडडा देवी सो कर उठी और बाहर निकली तो पेड़ से ससुर का शव लटकते देख जोर जोर से चीखने लगी। उसकी चीखपुकार सुनकर गांव के लोग भी जमा हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतरवाया। मृतक के भाई गजाधर के अनुसार मृतक छोटे लाल का इकलौता बेटा जगतपाल सरोज दिल्ली मे रहकर मजदूरी किया करता है तथा उसकी दोनों बेटियां ससुराल मे रहती है। मृतक छोटे लाल मानसिक रोगी था। उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

ग्राम पंचायत अधिकारी व रिटायर्ड लेखाकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटित आवासो की अनियमितता को लेकर हुई जांच मे ग्राम पंचायत अधिकारी व सेवानिवृत्त लेखाकार दोषी पाये गये। मामले मे बीडीओ सांगीपुर की तहरीर पर उदयपुर पुलिस ने दोनों आरोपियो के खिलाफ गुरूवार को मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर ब्लाक के पूरे सिरोही मंगापुर गांव निवासी हीरा सिंह पुत्र सूर्यबक्श सिंह ने ग्रामसभा मे प्रधानमंत्री आवास योजना मे धांधली को लेकर सांगीपुर बीडीओ को दो शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर जांच करने पर बीडीओ सांगीपुर समा सिंह ने तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी समरजीत भारती जो वर्तमान मे सण्डवा चंद्रिका ब्लाक प्रतापगढ़ मे कार्यरत है एवं रिटायर्ड लेखाकार रामशिरोमणि यादव निवासी धधुआगाजन लालगंज के विरूद्ध तहरीर दी।

युवाओं को दें स्वरोजगार का तोहफा : रवींद्रनाथ

परऊपुर में खादी ग्रामोद्योग विभाग ने लगाई प्रदर्शनी

अखंड भारत संदेश

भदोही। चौरीचौरा शताब्दी अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा एक दिनी प्रदर्शनी/जागरूकता शिविर आयोजन किया गया। ग्राम परऊपुर में शहीद झूरी सिंह स्मारक स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ विधायक रवींद्रनाथ त्रिपाठी ने किया। रवींद्रनाथ त्रिपाठी ने महात्मा गांधी के चित्र पर और शहीद झूरी सिंह स्मारक स्थल पर पुष्प अर्पित किया।

विधायक ने खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा लाभांवित लाभार्थियों के द्वारा लगाए गए स्टाल का अवलोकन किया, साथ ही लाभार्थियों से उनके उत्पाद और स्वरोजगार के सफर की भी जानकारी ली। भदोही विधायक ने अमृत महोत्सव कार्यक्रम में

उपस्थित लोगों को रोजगार से जोडने के लिए खादी ग्रामोद्योग अधिकारी को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा जाए। अमृत महोत्सव में शहीद परिवार के परिजनों को भी आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर विधायक भदोही द्वारा अमर शहीद झूरी सिंह के प्रपौत्र रामेश्वर सिंह को शाल भेंटकर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। विधायक ने कहा कि केंद्र सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा अमृत महोत्सव शहीदों के लिए आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाएं गिनाईं, जिसमें खाद्यी ग्रामोद्योग विभाग के द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, सौभाग्य योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान योजना, खाद्यान्न वितरण योजना, उज्ज्वला योजना का जिक्र किया।

स्वरोजगार सृजन की दिशा में उठाए जा रहे महत्वपूर्ण कदम

जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग विकास एवं सतत् स्वरोजगार प्रोत्साहन नीति क्रियान्वित की गई है। इस नीति के द्वारा प्रदेश में खादी एवं ग्रामोद्योग व्यवसाय को आकर्षित करने एवं उसकी क्षमता में सुधार तथा पूंजी निवेश के द्वारा अत्यधिक स्वरोजगार सृजन करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। इस नीति के अतिरिक्त प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण स्वरोजगार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि वित्तीय प्रोत्साहन में उत्तर प्रदेश सरकार खादी ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार के सहयोग से अभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सरकारी बैंक और राज्य स्तरीय मानीटरिंग समिति द्वारा अनुमोदित प्राइवेट क्षेत्र के बैंक से निवेश की व्यवस्था लागू है। इस अवसर पर जवाहर लाल, अभयराज, डा. राकेश दुबे, पंडित जटाशंकर शुक्ला, दिनेश पांडेय, डा. आनंद मिश्रा, नागेंद्र सिंह, राजेश सिंह, दिनेश सिंह मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से अधूरी पड़ी हैं योजनाएं

सौ शैया अस्पताल नही बना तो 2022 में वोट का करेंगे बहिस्कार : डीएम सिंह

अखंड भारत संदेश

भदोही। पिछले लगभग एक दशक से अधिक समय से निर्माणाधीन अवस्था में अधूरा पड़े जिला अस्पताल का मामला एक बार फिर जोर पकड़ चुका है। युवा नेता डीएम सिंह गहरवार ने इसके लिए न सिर्फ अभियान चला रखा है बल्कि जगह-जगह चौपाल के जरिये हस्ताक्षर भी लोगों का कराया जा रहा है। बात दे कि 30 जून सन 1994 को वाराणसी से अलग होकर नवसृजित हुआ जनपद भदोही जिसकी आबादी आज लगभग 20 लाख से अधिक है वहां पर मूल भूत स्वास्थ्य सुविधाओ की कमी चर्चा का विषय है। जिला मुख्यालय के पास वर्ष 2008 में 100 सैया जिला अस्पताल का निर्माण कार्य 13 साल के बाद भी अधूरा है। जिला अस्पताल शीघ्र संचालन को लेकर भदोही नगर में युवा नेता डीएम सिंह गहरवार द्वारा 15 अगस्त से जिला अस्पताल के निर्माण से संबंधित तथा स्वास्थ्य व्यवस्था के सुधार के लिए बृहद हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा था। जिसका समापन आज फूलन देवी चौराहे से सैकड़ों युवाओं के साथ तिरंगा यात्रा निकाल कर नारे बाजी करते हुए पदयात्रा करके गगन भेदी नारो जिसमे अस्पताल नही तो वोट नहीं हमे हमारा अधिकार चाहिए क्लीनिक नही अस्पताल चाहिए जैसे नारे लगाते हुए युवा पदयात्रा करते हुए अजीमुल्ला चौराहे पर मनचस्थ कार्यक्रम करके कार्यक्रम का समापन किया। जिसमे डीएम सिंह गहरवार ने कहा कि जन प्रतिनिधि अपना कर्तव्य समझे और जिले के विकास में अपना योगदान दे अन्यथा बहिस्कर के शिकार हो जाएंगे। इस मौके पर भारी संख्या में जनता सहित मुख्य रूप से पूर्व पुलिस अधिकारी विकास सिंह ओम सिंह प्रधान राजेश बिंद इब्राहिम हसीब आतिफ सत्य प्रकाश ओम प्रकाश तिवारी शुशील पाठक पंकज शुक्ला मानवेंद्र पांडेय शशि पासी प्रवीण पाण्डेय रोहित दुबे लवकेश सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। संचालन किशन सिंह ने किया।

आयुर्वेद विद्या से पोषण युक्त आहार से संबंधित दी जानकारी

अखंड भारत संदेश

चौरी/भदोही। क्षेत्र के जमुआं स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को आयुष स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा आयोजित चतुर्थ राष्ट्रीय पोषण माह के द्वितीय सप्ताह में महिलाओं को योग व आयुष विद्या का प्रयोग कराया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी व महिलाये उपस्थित रही।

इस मौके पर उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ नोडल अधिकारी डा. अमरदीप गुप्त ने फीता काटकर किया। वहीं सितम्बर माह के द्वितीय सप्ताह में आयुष विद्या का प्रयोग करते हुये गर्भवती महिलाओं, बच्चो एवं किशोरियों को योगा कराया गया। इस दौरान आंगनवाड़ी

महिलाओं को आयुर्वेद विद्या से पोषण युक्त आहार से संबंधित जानकारी दी गई। योग प्रशिक्षक प्रियंका व योग सहायक योगी संदेश दुबे द्वारा भ्रमिका, प्राणायाम, कपाल भाती, अनुलोम बिलोम, पश्चिमोउत्तान आसन, मंडुक आसन, ताड़ आसन आदि का भी अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डा0 अमरजीत गुप्त व बाल विकास अधिकारी प्रतिमा श्रीवास्तव द्वारा पोषण से संबंधित आयुर्वेद के माध्यम से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आगनबाड़ी कार्यकर्ती समेत चिकित्सा अधिकारी डा. संजीव पटेल, डॉ नीलिमा यादव, डॉ ममता, डॉ अंकुर सिंह, प्रतिमा गुप्ता, कृष्णा जायसवाल, राधा देवी, सुदामा देवी, पूनम दुबे आदि मौजूद रही।

15 सितंबर के बाद नहीं मिलेगा प्रवेश

भदोही। नोडल प्रधानाचार्य सत्यदेव दुबे ने बताया कि प्रदेश के राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने के अंतिम तिथि निर्धारित कर दी गई है। सितंबर 2021 से प्रारंभ होने वाले प्रशिक्षण सत्र में निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया 2021 के अनुसार प्रथम चरण में चयन परिणाम से प्रवेश लेने की अंतिम तारीख 15 सितंबर है। उक्त के क्रम में प्रथम चरण में चयन परिणाम के चयनित अभ्यर्थी निर्धारित समयावधि में अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों, अंकपत्रों एवं उनकी एक-एक प्रमाणित प्रति, दो पासपोर्ट फोटो के साथ संबंधित चयनित राजकीय/निजी संस्थानों के प्रधानाचार्य से संपर्क करें। अंतिम तिथि 15 सितंबर के बाद किसी का प्रवेश नहीं लिया जाएगा।

शिक्षक आशीष कुमार का प्रयास हम सभी के लिए अनुकरणीय : मानिकचंद्र

आशीष सिंह ने प्राइमरी के बच्चों को दिया पढ़ाई का माहौल, नवाचार के प्रयोग से बढ़ा बच्चों का ज्ञान

अखंड भारत संदेश

भदोही। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के बैनर तले राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक आशीष कुमार सिंह का आज अभिनंदन किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय ज्ञानपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष मानिकचंद्र यादव और जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने जनपद में नवाचार की नींव रखने वाले शिक्षक आशीष कुमार सिंह के प्रयासों को सराहा गया और सभी शिक्षकों से उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया।

आशीष कुमार सिंह, विकास खंड भदोही के उच्च प्राथमिक विद्यालय भुलईपुर में बतौर प्रधानाध्यापक कार्यरत हैं। समारोह में सर्वप्रथम आशीष कुमार सिंह का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। अभिनंदन करने वालों में प्रदेश

उपाध्यक्ष मानिकचंद्र यादव, जिलाध्यक्ष राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक अखिलेश कुमार, महामंत्री राजनारायण पाल, विमलकांत यादव, ज्योति कुमारी, विनोद कुमार, सुरेंद्र प्रकाश मौर्य के साथ साथ शिवाकांत यादव, गोपेश मिश्र, अरविंद कुमार पाल, दिनेश कुमार, अरविंद कुमार तिवारी आदि रहे।

मानिकचंद्र यादव ने कहा कि आशीष कुमार सिंह जनपद के पहले नवाचारी शिक्षक हैं। उन्होंने दशकभर पूर्व ही विद्यालय का भौतिक परिवेश, शिक्षा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों की शौक्षिक गुणवत्ता के लिए मेहनत की। उनका यह प्रयास सफल रहा। बच्चों को पढ़ाई का माहौल मिला। उनके ज्ञान में वृद्धि हुई। आशीष कुमार सिंह का यह प्रयास शिक्षक समुदाय के लिए अनुकरणीय है। बहुत से शिक्षक इस विधा पर काम कर रहे हैं। कहा कि अब विद्यालय में भौतिक परिवेश व शैक्षिक गुणवत्ता सुधारने की होड़ सी लग गई है। विनोद कुमार ने कहा कि आशीष कुमार सिंह का प्रयास सराहनीय है। कार्यक्रम को राज नारायण पाल, गोपेश मिश्र ने भी संबोधित किया। अंत में आशीष कुमार सिंह को स्मृति चिह्न भेंटकर एक बार पुनः अभिनंदन किया गया।

भाजपा सरकार में मंहगाई अनियंत्रितःसुनीता

अखंड भारत संदेश

भदोही। सपा नेत्री एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख सुनीता यादव ने भाजपा सरकार में महिला उत्पीड़न पर चिंता व्यक्त किया है। पूर्व प्रमुख ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की बात भाजपा सरकार में जुमला तक ही सिमित है।वास्तविकता यह है कि आज महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाएं बढी है। गुंडो के अलावा थानो में पुलिस भी महिलाओं का अपमान कर रही है। अभी पंचायत चुनाव में महिलाओं के कपडे तक फाडे गये रुसवा करने का कोई कसर नही छोड़ा गया और यह सब मात्र कुर्सी के लिए हुआ जिसकी जितनी निंदा किया जाय कम है। पूर्व प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार मंहगाई भ्रस्टाचार कालाधन वापसी किसानो का कर्ज माफी महिला सुरक्षा आदि को चुनावी मुद्दा बनाकर सत्ता हासिल करने में सफल तो रही लेकिन मंहगाई सहित अन्य जनहित के मुद्दों को भूल गई।आज ईधन गैस की कीमत दोगुना हो गया। पेट्रोल डीजल की कीमत में बेतहाशा इजाफा हो गया।कालाधन आने को कौन कहे भ्रस्टाचार की जड़े गहराई तक पहुच गई। गरीबी दूर करने का वादा था गरीबो को ही मिटाने पर आमादा है। आज स्थिति यह है कि अमीर और अमीर व गरीब और गरीब होता जा रहा है। पूर्व प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार पूजीपतियों के प्रेम में अन्यदाता किसानो के साथ भी अत्याचार करने में कोई कसर नही छोड रही है। आज किसान नौजवान गृहणी व्यापारी छात्र सभी भाजपा सरकार के गलत नीतियों से त्रस्त हो चूका है। पूर्व प्रमुख ने कहा कि 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार को ईधन गैस की कीमत दोगुनी करने के चलते महिलाएं ही सत्ता से बेदखल करेगी। अन्य आवश्यक वस्तुओ के बढे कीमत तो चुनाव में मुद्दा रहेगा ही। जनता यूपी में सत्ता परिवर्तन करने जा रही है। विकल्प के रुप में सपा को देख रही है। कहा कि समाजवादी सरकार में जितने विकास कार्य हुए उसे जनता याद कर रही है।

शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल ने मांगा बकाया एरियर, वेतन और प्रमोशन

शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल ने बीएसओ को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

भदोही। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ भदोही के प्रतिनिधि मंडल ने आज बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह और वित्त एवं लेखाधिकारी से मुलाकात की और शिक्षकों की समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।महासंघ के जिलाध्यक्ष धीरज सिंह के नेतृत्व में बीएसए से मिले प्रतिनिधि मंडल ने प्रत्येक माह की एक तारीख को वेतन देने, स्पष्टीकरण देनेवाले शिक्षकों का एक दिन का वेतन बहाल करने, 69 हजार शिक्षक भर्ती में चयनित शिक्षकों का एरियर भुगतान कराने, भर्ती

शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल ने गिनाईं समस्याएं

में चयनित शिक्षामित्रों के दूरस्थ बीटीसी का सत्यापन कराने, वरिष्ठता सूची जारी करने, पदोन्नति देने, जुलाई 2021 का अवशेष डीए का भुगतान करने की मांग की गई।

इसी तरह प्रतिनिधि मंडल ने 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती के चयनित/अंतर्जनपदीय स्थानांतरण के शिक्षकों का एरियर भुगतान करने, 2009 के नियुक्त शिक्षकों के चयन वेतनमान के एरियर का भुगतान करने, एनपीएस के सरकारी अंशदान का हर माह कराने की मांग शामिल है। अधिकारी द्वय ने प्रतिनिधि मंडल को सकारात्मक आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में क्रांतिमान शुक्ला (महामंत्री), देवेंद्र विश्वास (संयुक्त महामंत्री), सुरेश मौर्य (कोषाध्यक्ष), शिल्पी अग्रवाल (महिला प्रकोष्ठ, अध्यक्ष), प्रतीक मालवीय (ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञानपुर), अरुण यति (महामंत्री ज्ञानपुर), प्रदीप उपाध्याय (उपाध्यक्ष, ज्ञानपुर) शामिल रहे।

पुरुषों के अपेक्षा महिलाओ में बढ़ी है जागरूकता

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिले में परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश स्तर से विभाग को 5460 शगुन किट वितरित किए गए हैं। यह जानकारी जिला कार्यक्रम प्रबन्धक रोली श्रीवास्तव ने एक बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि शगुन किट वितरण के लिए एक आशा को 4 किट दिए जाएंगे।

जिला कार्यक्रम प्रबन्धक रोली श्रीवास्तव ने बताया कि शासन से शगुन किट एक से दो दिन में मिल जायेगा विभाग स्तर पर मिलते ही यह किट आशाओं को बांटने के लिए जिले के 05 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व 15 स्वास्थ्य केन्द्रों पर पहुंचा दी जायेगी। इसकी जानकारी पत्र के माध्यम से प्रभारी चिकित्साधिकारी व 1365 आशाओं को पिछले माह में ही दे दी गई थी। शगुन किट को लेकर आशा को प्रशिक्षण देने का कार्य चल रहा है इसके लिए प्रदेश स्तर से चार सदस्यीय टीम जिले में आयी हुई है। जो आशाओं के साथ स्वास्थ्यकर्मियों को भी प्रशिक्षण देने का का कार्य कर रही है। शगुन किट में परिवार नियोजन से सम्बन्धी विभिन्न सामग्री को रखा गया है। जो एक आशा को 4 किट दिये जायेगा। वे उसे नवदम्पत्ति को देने के साथ ही उसे परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने का भी कार्य करेगी। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी नोडल अधिकारी डाक्टर अमित कुमार दुबे ने बताया कि पहल किट का नया रूप शगुन किट है पहल किट में परिवार की नियोजन के सीमित सामग्री थी लेकिन इस नये शगुन किट में परिवार नियोजन के तमाम सामग्री उपलब्ध कराये जायेगे।

सूबे की खुशहाली व तरक्की के लिए जनता सपा की सरकार बनाने को तैयार : इंद्रजीत

सपा का जनादेश यात्रा जिले में पहुंचने के बाद गोपीगंज के अमवामाफी गांव में आयोजित की गई जनसभा

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सूबे के पूर्व कैबिनेट मंत्री इंद्रजीत सरोज शुक्रवार को जनादेश यात्रा लेकर जिले में पहुंचे। क्षेत्र के अमवामाफी गांव में पार्टी द्वारा आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला।

इस दौरान सपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री सरोज ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की दोषपूर्ण नीतियों से जनता बेहाल है। दलितों-पिछड़ों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू है। बेरोजगारी की समस्या से नौजवानों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं। महिला उत्पीड़न और बलात्कार की घटनाओं से यूपी की छवि खराब हो रही है। प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि 2022 में सूबे की खुशहाली और तरक्की के लिए जनता अखिलेश यादव को सीएम बनाने के लिए तैयार है। जनादेश यात्रा की शुरुआत इन्हीं उद्देश्यों के साथ एक सितंबर से की गई। जिसका समापन 28

सपा के राष्ट्रीय महासचिव का हुआ भव्य स्वागत

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सूबे के पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज का जनपद आगमन पर पार्टी के जिलाध्यक्ष बाल विद्या विकास यादव के नेतृत्व में दल के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इसके साथ ही जनसभा में उनको फूलों का भारी भरकम हार पहनाकर स्वागत किया गया। पार्टी की वरिष्ठ नेता अंजनी सरोज ने उनको चांदी का मुकुट भेंट किया। औराई की पूर्व विधायक मधुबाला पासी ने उनको विरांगना उदादेवी पासी के चित्र स्मृति चिन्ह भेंट किया। वहीं बिंदु सरोज ने पार्टी का चुनाव चिन्ह साइकिल स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया।

सितंबर को सुल्तानपुर में होगा। पूर्व विधायक जाहिद बेग ने कहा कि भाजपा के कुशासन से त्रस्त जनता बदलाव चाहती है और यूपी में सत्ता परिवर्तन होगा।

पूर्व विधायक मधुबाला पासी ने कहा कि जिस तरह से पश्चिम बंगाल की जनता ने वहां से भाजपा को खदेड़ा है। ठीक उसी प्रकार यूपी की जनता भाजपा को खदेड़ने के लिए तैयार हैं। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्यामला सरोज व पार्टी की वरिष्ठ नेता अंजनी सरोज ने यूपी से भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

वहीं लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य उमेश बिंद ननकू ने कहा कि सूबे में भाजपा की सरकार रहते खुशहाली नहीं आ सकती। जनसभा की अध्यक्षता पार्टी जिलाध्यक्ष बाल विद्या विकास यादव व संचालन जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति ने किया। इस मौके पर मो.आरिफ सिद्दिकी, प्रदीप यादव, शोभनाथ यादव, हसनैन अंसारी, राजेश सोनकर अजीत यादव पप्पी, अनिल कुमार सिंह, बिंदु सरोज, हाजी अब्दुल रब अंसारी, पन्नालाल यादव, कामिल अंसारी, लालचंद बिंद, मुन्ना खां, संतोष यादव, डा.सनवारुल हक, काशीनाथ पाल, अल्ताफ हुसैन अंसारी, धर्मेंद्र मिश्र पप्पू, रविशंकर यादव, सुनील दुबे रिंकू, डा.सरिता बिंद, सुभाष पासी, बाबा बिंद, एबरार अली व सलाउद्दीन अंसारी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सम्पादकीय

अपनों के दायरे से आगे

खास बात यह कि इसमें सिर्फ उन व्यवहारों को शामिल किया गया, जिनके लिए हमें कुछ खर्च नहीं करता पड़ता या जिनमें समय लगाने की जरूरत नहीं होती। 31 देशों के लोगों पर की गई इस स्टडी के मुताबिक, भारत इस मामले में नीचे से तीसरे नंबर पर है। अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ नैशनल अकेडमी ऑफ साइंसेज में पिछले सप्ताह प्रकाशित एक स्टडी रिपोर्ट ने बहुतों का ध्यान खींचा। इस स्टडी में पहली बार अलग-अलग देशों के संदर्भ में यह देखने की कोशिश हुई कि सामाजिक रूप से सचेत व्यवहार करने के मामले में किस देश के लोग कहां खड़े हैं? सामाजिक रूप से सचेत व्यवहार से मतलब है उन लोगों के हितों का, उनकी भावनाओं का भी ख्याल रखना, जो सीधे तौर पर हमसे जुड़े नहीं हैं, जिन्हें हम जानते नहीं है।खास बात यह कि इसमें सिर्फ उन व्यवहारों को शामिल किया गया, जिनके लिए हमें कुछ खर्च नहीं करता पड़ता या जिनमें समय लगाने की जरूरत नहीं होती। 31 देशों के लोगों पर की गई इस स्टडी के मुताबिक, भारत इस मामले में नीचे से तीसरे नंबर पर है। तुर्की और इंडोनेशिया ही उससे नीचे हैं। इस मामले में टॉप पर है जापान, जहां लोगों के अच्छे व्यवहार का प्रतिशत 72 है। ऑस्ट्रेलियाई 69 फीसदी और मेक्सिकन 68 फीसदी के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे नंबर हैं। भारत 50 फीसदी पर है। उल्लेखनीय है कि दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखने का मतलब सिर्फ सॉरी -थैंक्यू कहना नहीं है। वरना दुनिया के सबसे विनम्र लोगों वाला देश कनाडा इस स्टडी में 57 फीसदी पॉइंट के साथ कम स्कोर वाले देशों में शामिल नहीं होता।

बहरहाल, यह नंबरिंग खास मायने नहीं रखती। महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि आम तौर पर हमारा व्यवहार हमारी व्यापक सामाजिक चेतना पर निर्भर करता है, जो काफी हद तक हमारे सांस्कृतिक परिवेश से तय होती है। विभिन्न देश, समाज इस मामले में अलग-अलग स्थिति में क्यों हैं, यह एक जटिल सवाल है। इस स्टडी रिपोर्ट में भी यही कहा गया है कि विभिन्न देशों की अलग-अलग स्थिति की व्याख्या करने के लिए और अध्ययन करने की जरूरत है, लेकिन दो बातें साफ हैं। एक तो यह कि जिन देशों और समाजों में लोग उन्नत सामाजिक चेतना से लैस हैं यानी जहां वे अनजान लोगों के हितों, उनकी भावनाओं को लेकर भी सचेत होते हैं, वहां पारस्परिक विश्वास ज्यादा होता है जिसका सकारात्मक प्रभाव राजनीतिक, आर्थिक नीतियों और विकास पर होता है। उदाहरण के लिए, वहां कड़े कानूनों की जरूरत नहीं पड़ती और माहौल में खुलापन होता है। दूसरी बात यह है कि ये सामाजिक मानदंड एक जैसे नहीं रहते। समय के साथ इनमें बदलाव आता है। मतलब यह कि चाहे जितनी भी जटिल प्रक्रिया हो, उसका सावधानी से विश्लेषण करते हुए बदलाव की इस प्रक्रिया को सकारात्मक मोड़ दिया जा सकता है। अगर अपने देश के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इसकी पड़ताल की जाए तो वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी पृथ्वी को परिवार मानने के आदर्श के साथ अपने ही समाज के कुछ खास हिस्सों को खुद से अलग मानने के यथार्थ का विरोधाभास अच्छी केस स्टडी हो सकता है।

तालिबान से न दोस्ती अच्छी न दुश्मनी, भारत करे तो क्या करे?

अनुराग मिश्र

अपने देश में एक कहावत है बदमाशों से दूर ही रहते हैं। उनकी न दोस्ती अच्छी न दुश्मनी। 'बदमाशों' की जगह अपने-अपने इलाके में नई कहावतें गढ़ ली गई हैं, वो दूसरी बात है। फिलहाल बात बदमाशों की ही करते हैं। ऐसे ही कुछ बदमाश भारत के पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान में सत्तासीन हो चुके हैं। भारत (पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर बॉर्डर से) करीब 106 किमी की सीमा अफगानिस्तान से साझा करता है। तकनीकी लिहाज से देखें, तो उस देश में बदलते घटनाक्रम से भारत के अलर्ट रहने की यह एक बड़ी वजह है। इतना ही नहीं, भारत की लुक ईस्ट नीति हो या लुक वेस्ट, हमने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे रिश्ते चाहे हैं, वो बात अलग है कि पाकिस्तान और चीन जैसे दो देशों ने कई बार पीठ में छुरा घोपने का काम किया है। पर, सर्वे भवन्तु सुखिनः का पाठ करने वाले भारतीयों की संस्कृति हमें सब के कल्याण की ही शिक्षा देती है। ऐसे में अफगानिस्तान में जब आतंकियों ने सरकार बना ली है, भारत करे तो क्या करे? तालिबान के लड़ाके (जैसा कि कुछ लोग कहते हैं), जिहादी (ऐसा लगता है बड़े पाक मिशन पर निकले हों) जैसे शब्दों से अपना दामन छिपाने वाले इन खूंखार आंतिकयों को आतंकी न कहा जाए तो क्या कहें। जो किसी महिला के पुरुष से बात करने पर सजा दें, बच्चियों को पढ़ने न दें, पढ़ने की कोशिश पर गोली मार दें, खुलेआम कत्लेआम करे, महिलाओं का शोषण और दरिंदगी की हदें पार करें, ऐसे अशांति पसंद खूंखार लोगों से कैसे बरताव किया जाए। यह सवाल पाकिस्तान और कुछ हद तक चीन को छोड़कर पूरी दुनिया के सामने है। जैसे किसी लोकतांत्रिक देश में शीर्ष पद होते हैं नाम तो वैसे तालिबान सरकार में भी रखे गए हैं, बस बैठने वालों के हाथ खून से सने हैं। पश्तो जबान में छात्रों को तालिबान कहते हैं। पर वहां जो सरकार बनी है उसमें पीएम, गृह मंत्री भी वैश्विक आतंकवादी हैं। पाकिस्तान, कतर, तुर्की जैसे इस्लामिक देशों से अलग-अलग तरह की मदद पा रहे तालिबान की लीडरशिप बंदूक के दम पर राज चलाएगी या दुनिया में अपनी सरकार को मान्यता दिलाने के लिए आतंकवाद से तौबा करेगी, यह भविष्य के गर्भ में है। फिलहाल रवैया तो सुधार की तरफ नहीं दिख रहा है। कितना भी 2.0 की बात की जाए पर, बीते एक महीने में अलग-अलग घटनाओं से यही साबित हुआ कि तालिबान तरीका भले बदल ले पर उसकी नीयत नहीं बदलने वाली।

अपने देश में भी खबरों और ट्वीट में तालिबान चर्चा में है। ओवैसी अपना पुराना वीडियो दिखाकर कह रहे हैं कि मैंने पहले ही कहा था कि सरकार तालिबान से बात करे, अब देखो वो सरकार बना बैठे हैं। पूर्व राजनयिकों की राय है कि फिलहाल तालिबान और दूसरे मित्र देशों के कदमों का इंतजार करना चाहिए। हालांकि भारत कितना वेट करेगा? करीब 23 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वहां निवेश है, क्या उसे भुला दिया जाए? भारत ने वहां की संसद बनवाई, उसे टूटने दिया जाए। अगर हमने तालिबान से दूरी बनाई और उनसे मुंह मोड़ लिया तो इस बात की पूरी आशंका है कि पाकिस्तान और चीन भारत के खिलाफ उकसाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। तालिबान ने इस्लामिक शरीयत पर सरकार चलाने का ऐलान किया है। ऐसे में धर्म के नाम पर उकसाना, बरगलाना ज्यादा आसान होगा। वैसे भी तालिबान की टॉप लीडरशिप मतलब बड़े आतंकियों की ओर से कई बार कहा जा चुका है कि मुसलमान होने के नाते कश्मीर पर बोलने का उनका हक है। मतलब साफ है तालिबान मुस्लिम हितैषी बताकर दुनियाभर के मुसलमानों को बरगलाने की कोशिश कर सकता है। वे तो यही चाहेंगे कि दुनियाभर में खासतौर से आसपास के देशों में शरिया ही चले। ट्रेलर देख लीजिए, तालिबान में आतंकी सरकार बनी, वहां की संसद में जनप्रतिनिधियों की सीट पर ऑटोमैटिक हथियार लिए आतंकियों की तस्वीरें मीडिया में आईं, तो भारत में कुछ हमदर्दों का दिल बाग-बाग हो गया। वे कहने लगे कि तालिबान बदल गया है, कुछ ने तो इसे भारत की आजादी के क्रांतिकारियों से जोड़ दिया। कुछ नेताओं को समझ में नहीं आया तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, तालिबान का फॉर्म्युला समझाने लगे। मतलब ऐसे गिने-चुने लोग माहौल खराब करने लगे हैं और पूरी संभावना है कि आगे भी तालिबान के फैसलों पर ये गुणगान करके गंध फैला सकते हैं।

सवाल फिर वही, भारत करे तो क्या करे? अब तक भारत वेट एंड वॉच की मुद्रा में है। भारत सरकार पीएम, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, विदेश मंत्री, सचिव अलग-अलग स्तरों पर अपने मित्र देशों से संपर्क में हैं और अफगानिस्तान के हालात पर मंत्रणा चल रही है। कट्टरपंथी और खूंखार आतंकी पीएम या दूसरे मंत्रियों से कैसे वार्ता की जाए, कैसे उन्हें बुलाया जाएगा, या अगर वे न्योता देते हैं तो वहां जाया जाए। यह सवाल भारतीय लीडरशिप में कौंध रहा होगा। 1996 में भले ही हमने उनकी सरकार को मान्यता नहीं दी थी, पर अब 2021 में हालात काफी बदल चुके हैं। दुनिया से अलग कटकर रहते हुए प्रतिबंधों के कारण आतंकियों के लिए मुश्किलें तमाम होंगी। वे दूसरे देशों की यात्रा नहीं कर सकते, इनके नाम से कोई देश वीजा नहीं दे सकता, न हथियार खरीद और बेच सकते हैं। न प्लेन न शिप का इस्तेमाल होगाष्ठ. पर यह भी तो समझिए कि ये आतंकी हैं इनके शब्दकोष में वैध और कानूनी जैसे शब्द नहीं हैं। श्रीनगर से 500 किमी की हवाई दूरी पर बसे काबुल में तालिबान का राज आते ही अपने घरों में बैठकर गुणा-गणित लगा रहे कश्मीर के सियासतदान फौरन उम्मीद और सच्ची शरिया की बातें करने लगे हैं। दरअसल, धर्म के आधार पर भारत और पाकिस्तान के बंटवारे ने कई तरह की दूरियां पैदा कर दीं, जिसे या तो भरने नहीं दिया गया या बनाए रखा गया क्योंकि सियासी लोगों का फायदा इसी में था। शायद यही वजह है कि इंसानियत या भारतीयता के नाम पर एकजुटता कम और धर्म के नाम एकजुटता ज्यादा असर करती है। कश्मीर को फिलहाल इससे बचाए रखना होगा।

वैसे भी 370 के खत्म होने के बाद कश्मीर के सियासी लोगों के पास मुद्दे खत्म हो गए हैं और उनकी पहुंच सीमित हो गई है। वे यह जरूर चाहेंगे कि कश्मीर की दुनिया में चर्चा हो, आतंकी कश्मीरी मुसलमानों की बात करें जिससे वे अपने समीकरण साध सकें। फिलहाल, आतंकवाद पर नियंत्रण है और सेना को हालात से निपटने के लिए खुली छूट है। ऐसे में सियासी साजिश से संभलकर रहना होगा। अबतक कश्मीर को सुलगाने की साजिशें पाकिस्तान से होती रही हैं, अगर काबुल में भी लश्कर-जैश-हक्कानी की चली तो नई टेंशन खड़ी हो सकती है। इसकी वजह भी है। दरअसल, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बड़े कट्टरपंथियों के स्कूल एक ही हैं। आतंकियों वाली सरकार बनी तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया में एक बार फिर यह स्कूल चर्चा में है। इसका नाम है जामिया दारुल उलूम हक्कानिया। जानकार कहते हैं कि यह तालिबान की एक ऐसी यूनिवर्सिटी है, जहां से पढ़ने वाले छात्र पाकिस्तान और अफगानिस्तान में धार्मिक, राजनीतिक और सैन्य आंदोलनों में हिस्सा लेते रहे हैं। तालिबान की नई सरकार में कई मंत्री यहीं से पढ़कर निकले हैं। इसकी बुनियाद पाकिस्तान बनने के एक महीने बाद रखी गई थी और यह पेशावर के पास स्थित है। साफ है कि दीन-दुनिया की जो बातें यहां बताई गई हैं वही पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कट्टरपंथियों के दिलोदिमाग में घुसी हैं। फिर उनसे प्रगतिशील विचारधारा की उम्मीद ही क्या कर सकते हैं, जैसा कि अपने देश में कुछ हमदर्द अलाप रहे हैं। तालिबान ने कश्मीर के मुसलमानों की चर्चा कर मंशा साफ कर दी है। भारत सरकार और एजेंसियां अलर्ट हैं। वहां 'आतंकी सरकार' बनने के दो दिन बाद ही गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, उपराज्यपाल, खुफिया एजेंसियों के चीफ्स के साथ बैठक की।

हालांकि, वेट एंड वॉच की मुद्रा से एक समय भारत को बाहर निकलना ही होगा और फिर दुनिया के देश अपने-अपने हिसाब से कदम उठाएंगे। भारत ऐसी जटिल परिस्थिति में उसी कहावत 'ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर' पर आगे की योजना बना सकता है। भारत के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प यही हो सकता है कि हम तालिबान के साथ अपने हितों के मुताबिक बातचीत शुरू करें, जिससे पाकिस्तान या चीन को उसके कान भरने या भारत के खिलाफ नापाक मंसूबों के कामयाब होने का मौका न मिले। हां, ये अलग बात है कि लोकतांत्रिक सरकारों से अलग हमें आतंकी सरकार मानकर ही उनसे संवाद बनाना होगा। यहां प्यार की झप्पी वाली बात नहीं होगी। अभी तो कई मुस्लिम देशों की खैरात पर तालिबान सरकार चला रहा है, पर कब तक? एक समय उसे भी अर्थव्यवस्था को समझना होगा और अपने फायदे के लिए दुनिया के देशों से संबंध बनाने होंगे। हम पड़ोसी नहीं बदल सकते, पाकिस्तान और चीन से पहले ही तनातनी चलती रहती है, अगर अफगानिस्तान में भारत के खिलाफ 'शून्य' बनने दिया गया तो एक नया मोर्चा तैयार हो जाएगा, जो हमारे हित में नहीं होगा।

जाति जनगणना के खिलाफ थे नेहरू, पटेल

उमेश चतुर्वेदी

यह संयोग ही है कि जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मनाने की तैयारी में जुटा है, तभी जातीय जनगणना को लेकर राजनीति तेज हो गई है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर जाति को लेकर हमारे स्वाधीनता सेनानी क्या सोच रहे थे। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी के उस लेख का जिक्र किया जा सकता है, जो 'यंग इंडिया' के एक मई 1930 के अंक में छपा था। इसमें गांधी जी ने लिखा है, 'मेरे, हमारे, अपनों के स्वराज में जाति और धर्म के आधार पर भेद का कोई स्थान नहीं हो सकता।

स्वराज सबके लिए, सबके कल्याण के लिए होगा।' बापू की इस भावना का संविधान सभा ने भी ध्यान रखा। लेकिन आजादी के बाद जैसे-जैसे जातीय गोलबंदी की राजनीति तेज हुई, बापू के इन शब्दों का प्रभाव कम होने लगा। हर जाति अपने-अपने खांचे में और मजबूत होने का राजनीतिक ख्वाब देखने लगी। जातीय गोलबंदी की राजनीति को जाति आधारित जनगणना में अपनी राह दिखने लगी। आश्चर्य नहीं कि पिछड़े वर्गों की स्थिति पर 1980 में रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले बीपी मंडल ने भी यह मांग सामने रखी। यह बात और है कि तब के गृह मंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने इसे नामंजूर कर दिया था। अंग्रेजों ने 1931 में जो जनगणना कराई थी, उसका एक आधार जाति भी थी। दूसरे विश्व युद्ध के चलते 1941 में जनगणना नहीं हुई। भारत को तोड़ने के लिए अंदरूनी स्तर पर अंग्रेज जिस तरह का कुचक्र रच रहे थे, संभव है कि अगर 1941 में जनगणना हुई होती तो उसमें भी जाति को आधार बनाया जाता। आजादी के बाद जब 1951 की जनगणना की तैयारियां हो रही थीं, तब भी जाति जनगणना की मांग उठी। लेकिन तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने इसे खारिज कर दिया था। तब पटेल ने कहा था, 'जाति जनगणना देश के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ सकती है।' इसका समर्थन तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू, आंबेडकर और मौलाना आजाद ने भी किया था। इसके पहले संविधान सभा की एक बहस में भी पटेल गांधी जी के विचारों के मुताबिक आगे बढ़ने की मंशा जताते हुए जाति आधारित आरक्षण की मांग को खारिज कर चुके थे।

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन सिर्फ राजनीतिक आंदोलन नहीं था। उसमें सामाजिक सुधार के भी मूल्य निहित थे। स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस भावी भारत का सपना देखा था, उसमें जातिवाद की गुंजाइश नहीं थी। संविधान और कानून के सामने सभी बराबर थे। हालांकि आजादी के बाद विशेषकर समाजवादी धारा की राजनीति जैसे-जैसे आगे बढ़ी, परोक्ष रूप से जातिवादी राजनीति को ही बढ़ावा देती रही। डॉक्टर लोहिया जाति तोड़ने की बात करते थे। लेकिन उनके अनुयायियों ने जाति तोड़ने के नारे को सतही तौर पर स्वीकार किया। लोहिया मानते थे कि आर्थिक बराबरी होते ही जाति व्यवस्था खत्म तो होगी ही, सामाजिक बराबरी भी स्थापित हो जाएगी। इसलिए उन्होंने जाति तोड़ो के अपने विचार में आपसी विश्वास आधारित उदारवादी दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया था। लोहिया ने लिखा है, 'जाति प्रणाली परिवर्तन के खिलाफ स्थिरता की जबरदस्त शक्ति है। यह शक्ति क्षुद्रता और झूठ को स्थिरता प्रदान करती है।' लेकिन लोहिया के अनुयायी इस सोच को ध्वस्त करते रहे। यह अप्रिय लग सकता है, लेकिन इस तोड़क भूमिका में लोहिया के दिए नारे 'संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़े पावें सौ में साठ' की भी परोक्ष भूमिका रही। इस नारे के जरिए समाजवादी राजनीति का पिछड़ी जातियों में आधार मजबूत तो हुआ, लेकिन जाति टूटने के बजाय और मजबूत होने लगी। जब मंडल आयोग की सिफारिशें लागू हुईं तो जातीय राजनीति ने इसमें अपने लिए मौका देखा। हर जाति राजनीतिक अधिकार पाने के लिए अपने खोल को मजबूत करने में जुट गई। यह उलटबांसी ही है कि जिस जयप्रकाश आंदोलन से निकली गैर कांग्रेसी सरकार ने मंडल आयोग गठित किया, उसी आंदोलन के दौरान जयप्रकाश नारायण के गांव सिताबदियारा में 1974 में हुई एक बैठक में जातिवादी व्यवस्था तोड़ने की दिशा में गंभीर प्रयास करने का प्रस्ताव पारित हुआ था।

तब जयप्रकाश ने नारा दिया था, 'जाति छोड़ो, पवित्र धागा तोड़ो, इंसान को इंसान से जोड़ो।' जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद इस इन प्रयासों में तेजी आनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। क्योंकि जाति तोड़ने की बात करने वाली राजनीति के अधिकांश अनुयायी जातियों की गोलबंदी में अपना भविष्य देख रहे थे। इसका आभास चंद्रशेखर को था, इसलिए उन्होंने जयप्रकाश से आशंका जताई थी कि आने वाले दिनों में आंदोलनकारी अपनी-अपनी जातियों के नेता के तौर पर पहचाने जाएंगे। वैसे, खुद चंद्रशेखर भी स्थानीय स्तर पर बलिया में चुनाव जीतने के लिए इसी गोलबंदी की राजनीति का सहारा लेते रहे। जातीय गोलबंदी को और आक्रामक रूप कांशीराम ने दिया। उनका नारा था, 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' यह नारा लोहिया और जयप्रकाश के नारों से आक्रामक साबित हुआ। यह समझ नहीं आता कि जातीय आधार पर हिस्सेदारी बढ़ाने की आक्रामक मांग करना और जाति तोड़ना- दोनों एक साथ कैसे संभव है? जातीय जनगणना की मौजूदा मांग भी इसी उलटबांसी का विस्तार है। जाति जनगणना के लिए तर्क दिया जाता है कि जिस जाति की जितनी संख्या होगी, उसे उतनी हिस्सेदारी देने की योजना बनेगी। केंद्रीय सूची में पिछड़ी जातियों की कुल संख्या 2633 है। रोहिणी आयोग के अनुसार, इनमें से करीब 1000 जातियों के किसी भी व्यक्ति को मंडल आयोग के मुताबिक आरक्षण का लाभ अब तक नहीं मिल सका है। शायद यही वजह है कि बिहार का माली समाज जाति जनगणना की मांग के खिलाफ खुलकर मैदान में उतर आया है। जाति जनगणना पर क्या फैसला होगा, यह तो भविष्य की बात है, लेकिन यह तय है कि अगर जाति जनगणना हुई तो इससे कुछ लोहियावादी दलों को फायदा जरूर होगा। यह भी सच है कि इससे जो लहर उठेगी, उसे संभाल पाना आसान नहीं होगा। अतीत के अनुभव तो यही बताते हैं।

जनरल मोटर्स, हार्ले डेविडसन और अब फोर्ड मोटर...क्यों भारत छोड़ रही हैं विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियाँ

नीरज कुमार दुबे

फोर्ड मोटर कंपनी ने जब कहा कि वह देश के अपने दो संयंत्रों में वाहन उत्पादन बंद कर देगी और केवल आयातित वाहनों को ही बेचेगी तो एक चिंता की लहर तो दौड़ी ही साथ ही भारत में निवेश को उत्सुक ऑटोमोबाइल कंपनियों को भी अपनी रणनीति पर पुनर्विचार पर मजबूर होना पड़ा। विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियां भारत में आती तो बड़े जोरशोर से हैं लेकिन सही रणनीति नहीं होने के चलते उन्हें अपना कारोबार समेटना पड़ जाता है। जनरल मोटर्स और हार्ले डेविडसन के बाद इस सूची में नाम जुड़ गया है फोर्ड मोटर का। देखा जाये तो कोरोना से उपजे हालात और ऑटोमोबाइल सेक्टर में चल रही मंदी से अमेरिकी ऑटोमोबाइल कंपनी फोर्ड की कमर टूट गयी है और उसने भारत में अपने संयंत्रों पर ताला लगाने का फैसला किया है। बताया गया है कि दो अरब डॉलर का नुकसान झेलने से कंपनी की हालत पतली हो गयी है। हालांकि कंपनी के इस ऐलान से उन लोगों की चिंता बढ़ गयी है जिनके पास फोर्ड मोटर की गाड़ी है। लेकिन कंपनी ने ऐलान किया है कि जिन लोगों के पास फोर्ड की गाड़ी है उन्हें सर्विस पहले की तरह मिलती रहेगी। लगभग तीन दशकों से भारतीय बाजार में मौजूद अमेरिका की प्रमुख वाहन कंपनी फोर्ड मोटर कंपनी ने जब कहा कि वह देश के अपने दो संयंत्रों में वाहन उत्पादन बंद कर देगी और केवल आयातित वाहनों को ही बेचेगी तो एक चिंता की लहर तो दौड़ी ही साथ ही भारत में निवेश को उत्सुक ऑटोमोबाइल कंपनियों को भी अपनी रणनीति पर पुनर्विचार पर मजबूर होना पड़ा। फोर्ड कंपनी ने अपने चेन्नई (तमिलनाडु) और साणंद (गुजरात) संयंत्रों में लगभग 2.5 अरब डॉलर का निवेश किया है, मगर भारत में कड़ी प्रतिस्पर्धा में वह टिक नहीं पाई और उसे विगत 10 वर्षों के दौरान करीब दो अरब डॉलर का नुकसान हुआ। अब कंपनी ने अपना कारोबार समेटने का जो फैसला किया है उससे करीब 4,000 कर्मचारी और ऐसे 150 डीलर प्रभावित होंगे जो करीब 300 बिक्री केन्द्रों का कामकाज संभालते हैं।

फोर्ड कंपनी अपने साणंद संयंत्र से इंजन का निर्माण जारी रखेगी जिसे कंपनी के वैश्विक परिचालन के लिए निर्यात किया जाएगा। वाहन विनिर्माण परिचालन को बंद करने के साथ ही फोर्ड इन संयंत्रों से उत्पादित इकोस्पोर्ट, फिगो और एस्पायर जैसे वाहनों की बिक्री अब बंद कर देगी। फोर्ड मोटर कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिम फ़ार्ले ने एक बयान में बताया है कि फोर्ड प्लस योजना के हिस्से के रूप में, हम दीर्घकालिक तौर पर टिकाऊ लाभदायक व्यवसाय करने के लिए कठिन लेकिन आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं और अपनी पूंजी को सही क्षेत्रों में बढ़ने और मूल्य सृजित करने के लिए आवंटित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नए वाहनों की मांग पूर्वानुमान की तुलना में बहुत कमजोर रही है। कंपनी ने कहा है कि रोजगार गंवाने वाले कर्मचारियों को ठएक समान और उचित पैकेज की पेशकश की जाएगी। हम आपको बता दें कि फोर्ड इंडिया के पास सालाना 6,10,000 इंजन और 4,40,000 वाहनों की स्थापित विनिर्माण क्षमता है। कंपनी ने फिगो, एस्पायर और इकोस्पोर्ट जैसे अपने मॉडलों को दुनिया भर के 70 से अधिक बाजारों में निर्यात किया है। इस साल जनवरी में फोर्ड मोटर कंपनी और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने पूर्व में घोषित वाहन संयुक्त उद्यम को समाप्त करने और भारत में स्वतंत्र परिचालन जारी रखने का फैसला किया था। लेकिन अब फोर्ड ने स्वतंत्र परिचालन को भी बंद करने का ऐलान कर दिया है। देखा जाये तो जनरल मोटर्स के बाद भारत में कारखाना बंद करने वाली फोर्ड दूसरी अमेरिकी वाहन कंपनी है। वर्ष 2017 में जनरल मोटर्स ने घोषणा की थी कि वह भारत में वाहनों की बिक्री बंद कर देगी क्योंकि दो दशकों से अधिक समय तक संघर्ष करने के बाद भी उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। इसके साथ ही पिछले साल हार्ले डेविडसन ने भी भारत में बढ़ते घाटे को देखते हुए अपना कारोबार यहां से समेटने और सिर्फ विदेशी बाजारों पर ही फोकस रखने का निर्णय किया था।

विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियों के बढ़ते घाटे का असल कारण देखा जाये तो यह है कि भारतीय बाजार पर कब्जा करने की रणनीति वह लंदन, वाशिंगटन या पेरिस आदि जैसे बड़े शहरों में बैठकर बनाते हैं जबकि भारतीय बाजार को समझने और उस पर छा जाने के लिए यहां मध्यवर्ग की नब्ज पकड़ने की जरूरत है। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा अपने नाम लंबे समय से रखने वाली मारुति सुजुकी इंडिया ने भारतीयों की जरूरत, उनकी पसंद और उनके बजट को सबसे अच्छे तरीके से समझा है और उनकी मांग पूरी की है। अगर किसी भी महीने की टॉप टेन गाड़ियों की बिक्री की सूची देखेंगे तो उसमें से छह या सात मारुति सुजुकी इंडिया की ही होती हैं। मारुति ने हाल ही में अपने वाहनों की कीमतों में इजाफे की घोषणा की है लेकिन देखियेगा इससे कोई नहीं पड़ेगा और उसकी बिक्री तेज होती रहेगी क्योंकि इस कंपनी पर मध्यम वर्ग का भरोसा कायम है। भारत में देखा जाये तो मारुति के साथ ही अन्य भारतीय कंपनियां टाटा मोटर्स और महिन्द्रा भी ग्राहकों के बीच तेजी से अपना आधार बढ़ा रही हैं और उनके नये प्रयोग भी सफल हो रहे हैं। बहरहाल, जहां तक फोर्ड के ऐलान की बात है तो इसका बड़ा नुकसान यह होगा कि ग्राहकों के मन में विदेशी कंपनियों की गाड़ियां खरीदने के प्रति हिचक बढ़ेगी क्योंकि उन्हें लगेगा कि अगर उस कंपनी ने अपना कारोबार समेटा तो सर्विस मिलना मुश्किल हो जायेगा और वाहन के कलपुर्जों को बदलवाना महंगा पड़ेगा।

मुफ्त वितरण की बन्दरबांट

भरत झुनझुनवाला

सरकार के राजस्व का उपयोग पार्टी के हितों को साधने के लिए किया जाता है। जैसे यदि कांग्रेस सरकार ने 2009 में लोन माफ़ी का वायदा किया अथवा वर्तमान में केन्द्र सरकार एलपीजी गैस के सिलेंडर बांट रही है तो इसका लाभ पार्टी विशेष को मिलता है, जबकि इन मुफ्त सुविधाओं को वितरित करने का भार सरकार के राजस्व पर पड़ता है। अतः उच्चतम न्यायालय ने हाल में ही नोटिस जारी किया है कि चुनाव पूर्व इस प्रकार के वायदों पर रोक क्यों न लगाई जाए? बीते समय में इंग्लैण्ड के चुनाव में वहां की लेबर पार्टी ने जनता को मुफ्त ब्राडबैंड, मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त कार पार्किंग जैसी सुविधाओं का प्रलोभन दिया था। हम भी क्यों पीछे रहते। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पूर्व छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए गये, तमिलनाडु में चुनाव पूर्व किचन ग्राइंडर और साइकिल वितरित करने का आश्वासन दिया गया, दिल्ली में एक सीमा के अंतर्गत मुफ्त बिजली और पानी दिया जा रहा है और केन्द्र सरकार द्वारा मुफ्त गैस सिलेंडर, एलईडी बल्ब और खाद्यान्न वितरित किये जा रहे हैं। निश्चित रूप से इस प्रकार के सीधे वितरण से जन कल्याण हासिल होता है। जिस छात्र को लैपटॉप मिल जाता है वह उससे अपने कौशल को सुधार सकता है और जीवन में आगे बढ़ सकता है। लेकिन कहावत है कि किसी को मछली देने के स्थान पर मछली पकड़ना सिखाना जादा उत्तम है। चूंकि मछली देने से एक बार मछली का भोजन करके वह आनन्दित हो सकता है, लेकिन यदि उसे मछली पकड़ना सिखा दिया जाए तो आजीवन अपने भोजन की व्यवस्था कर सकता है। इसलिए सरकार के लिए जरूरी है कि वह अपने सीमित राजस्व का उस स्थान पर निवेश करे जहां कि जनता का लम्बे समय तक और अधिकाधिक कल्याण हो सके। यहां एक विषय यह है कि अकसर इस प्रकार के मुफ्त वितरण के वायदे चुनाव पूर्व किये जाते हैं जैसा कि इंग्लैण्ड में लेबर पार्टी ने चुनाव पूर्व किया है। अपने देश में कांग्रेस ने 2009 में किसानों की ऋ ण माफी का वायदा किया और सत्ता हासिल की थी।

तमिलनाडु में जैसा कि ऊपर बताया गया है कि किचन ग्राइंडर आदि बांटने के आश्वासन चुनाव पूर्व दिए गये। इस प्रकार के वायदे किये जाने से सरकार के राजस्व का उपयोग पार्टी के हितों को साधने के लिए किया जाता है। जैसे यदि कांग्रेस सरकार ने 2009 में लोन माफ़ी का वायदा किया अथवा वर्तमान में केन्द्र सरकार एलपीजी गैस के सिलेंडर बांट रही है तो इसका लाभ पार्टी विशेष को मिलता है, जबकि इन मुफ्त सुविधाओं को वितरित करने का भार सरकार के राजस्व पर पड़ता है। अतः उच्चतम न्यायालय ने हाल में ही नोटिस जारी किया है कि चुनाव पूर्व इस प्रकार के वायदों पर रोक क्यों न लगाई जाए? सुप्रीम कोर्ट की यह सोच सही दिशा में है और केन्द्र सरकार को इस दिशा में स्वयं पहल करके इस प्रकार के चुनाव पूर्व वायदों को प्रतिबंधित करने का राष्ट्रव्यापी कानून बनाना चाहिए।

चुनाव से आगे, सरकार द्वारा तीन प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं। पहली सुविधा सार्वजनिक जो केवल सरकार द्वारा दी जा सकती है, दूसरी सुविधा उत्कृष्ठ जो व्यक्तिगत है लेकिन उसका समाज पर प्रभाव पड़ता है, और तीसरा व्यक्तिगत जो कि व्यक्ति विशेष मात्र को लाभ पहुंचाती है। सार्वजनिक सुविधाएं वे हैं जो सरकार ही उपलब्ध करा सकती है जैसे- रेलगाड़ी, गांव की सड़क अथवा कोविड से बचने के लिए क्या कदम उठए जाएं इसकी जानकारी। ये सुविधा केवल सरकार ही दे सकती है। इसलिए सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी इस प्रकार के सार्वजनिक सुविधाओं को उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। इससे आगे कुछ सुविधाएं व्यक्तिगत लेकिन 'उत्कृष्ठ' कही जा सकती हैं। जैसे किसी व्यक्ति द्वारा मास्क पहनना मूलतः व्यक्तिगत सेवा है। वह बाजार से 10 रुपये का मास्क खरीदकर पहन सकता है। इसमें सरकार के द्वारा वितरण करने की जरूरत नहीं है। लेकिन व्यक्ति के मास्क पहनने से दूसरों का संक्रमण से बचाव होता है। इसलिए सरकार मास्क बांटे और लोगों को उसे लगाने के लिए प्रेरित करे तो यह सुविधा व्यक्तिगत होने के बावजूद उत्कृष्ठ कही जाती है क्योंकि इससे दूसरे तमाम लोगों को लाभ होता है। इसकी तुलना में कुछ सुविधाएं मुख्यतः व्यक्तिगत कही जा सकती हैं। जैसे मुफ्त बिजली, पानी, मुफ्त गैस सिलेंडर, मुफ्त सायकिल अथवा लैपटॉप।

क्यों टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने किया पांचवें टेस्ट में मैदान पर उतरने से इनकार, दिनेश कार्तिक ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना के चलते भारतीय खेमे में मची अफरा-तफरी के बाद कप्तान विराट कोहली की अगुवाई में टीम इंडिया ने पांचवें टेस्ट के पहले दिन मैदान पर उतरने से इनकार कर दिया। जिसके बाद दोनों बोर्ड के बीच चली लंबी चर्चा के बाद सीरीज के आखिरी और पांचवें टेस्ट को रद्द करने का फैसला किया गया। सभी प्लेयर्स के कोरोना टेस्ट नेगेटिव आने के बाद आखिरकार ऐसी क्या वजह थी जिसके चलते कोहली के शूरवीरों ने मैनचेस्टर में अपने कदम पीछे खींच लिए। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इस मामले पर अपनी रोशनी डालते हुए बताया है कि सहायक फिजियो योगेश परमार के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के बाद सभी खिलाड़ियों में दहशत पैदा हो गई और इसके चलते ही उन्होंने यह फैसला लिया।

'स्काई स्पोर्ट्स' के साथ बातचीत करते हुए कार्तिक ने कहा, 'मैंने कुछ लोगों (भारतीय खिलाड़ियों) से बात की। सीरीज के सभी मैच लगभग आखिरी दिन तक खेले गए, सभी खिलाड़ी थके हुए हैं और टीम में पास सिर्फ एक फिजियो है। उनके पास दो फिजियो थे लेकिन उनमें से एक मुख्य कोच एवं दो अन्य कोच के साथ कोविड-19 के कारण क्वारंटाइन में हैं। उनके पास एक ही फिजियो था जो अब कोरोना वायरस से संक्रमित है। यह बड़ी समस्या है। अगर यह कोई और होता, आपको लॉजिस्टिक्स मदद की जरूरत होती तो कर देता। यह सब इतना डरावना नहीं होता, लेकिन जब फिजियो ही इसकी चपेट में आ गया तो मुझे लगता है कि उन्हें थोड़ी घबराहट होने लगी।'

विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि एक बार जूनियर फिजियो के जांच (कोविड-19) में पॉजिटिव होने के बाद खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मुश्किल समय का सामना करना पड़ा और ऐसा कोई रास्ता नहीं था जिससे सीरीज का निर्णायक मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार हो। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा आपको यह भी समझना होगा कि अगर मैच के दौरान तीसरे दिन अंतिम एकादश का कोई खिलाड़ी जांच में कोविड-19 पॉजिटिव होता है तो उसके साथ क्या होगा। क्या उस खिलाड़ी से दूसरे भी संक्रमित होंगे? इससे सभी खिलाड़ी को खतरा रहेगा और उन्हें कम से कम दस दिनों तक इंग्लैंड में रहना होगा, ऐसे में आईपीएल का क्या होगा।'

भारत-इंग्लैंड सीरीज में शामिल अपने खिलाड़ियों को मैनचेस्टर से यूएई लाने की तैयारी में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाले पांचवें टेस्ट मुकाबले के रद्द होने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स इस सीरीज में खेल रहे अपने खिलाड़ियों को शनिवार को यूएई लाने की तैयारी में है। सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथ ने इस बात की जानकारी दी है। चेन्नई की तरफ से रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, चेतेश्वर पुजारा, मोईन अली और सैम करन आईपीएल में खेलते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के दूसरे फेज की शुरुआत 19 सितंबर से होनी है और सीएसके को पहले ही मैच में मुंबई इंडियंस से भिड़ना है। सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथ ने पीटीआई से बात करते हुए कहा, 'चार्टर्ड विमान की अब कोई संभावना नहीं है। हम कोशिश कर रहे हैं कि कल व्यावसायिक उड़ान के लिए उनके टिकट हो जाएं। जब वे यहां पहुंचेंगे तो बाकी खिलाड़ियों की तरह छह दिन तक क्वारंटाइन में रहेंगे।' इंग्लैंड दौरे पर भारतीय दल में कोविड-19 के प्रकोप से पहले के प्तान के मुताबिक आईपीएल में भाग लेने वाले दोनों देशों के खिलाड़ियों को एक साथ मैनचेस्टर से चार्टर्ड विमान से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) आना था। ये सभी खिलाड़ी इंग्लैंड के बायो-बबल से यूएई के बायो बबल में शामिल होते।टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जाने वाले पांचवें टेस्ट के पहले दिन मैदान पर उतरने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद इस मैच को रद्द करने का फैसला लेना पड़ा। गुरुवार को भारतीय टीम के फिजियो योगेश परमार कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे, जिसके बाद टीम इंडिया के खेमे में हड़कंप मच गया था। इससे पहले हेड कोच रवि शास्त्री ओवल टेस्ट से पहले इस वायरस की चपेट में आने वाले पहले सदस्य रहे थे।

जेम्स एंडरसन ने बांधे टीम इंडिया की तारीफों के पुल, कहा- अहम मौकों पर हम से बेहतर खेल दिखाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम इंडिया की जमकर तारीफ की है। एंडरसन के मुताबिक भारत ने अहम मौकों पर इंग्लैंड से बेहतर क्रिकेट खेली और इसी वजह से वह सीरीज के अंत में 2-1 से आगे रहा। इंग्लिश तेज गेंदबाज ने कहा कि टीम को अच्छी स्थिति में रहने पर दबदबा कायम रखने का गुण सीखना पड़ेगा। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का पांचवां टेस्ट मैच कोरोना के चलते रद्द रहा। टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन मैदान पर उतरने से इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों बोर्ड ने मिलकर मैच को खत्म करने का निर्णय लिया।

'द टेलीग्राफ' में लिखे अपने लेख में एंडरसन ने कहा, 'भारत सीरीज में 2-1 से आगे रहा उसका पीछे का कारण यह है कि वह अहम

मौकों पर हम से बेहतर क्रिकेट खेलें। यह एक डाउन या फिर क्वालिटी एक्सपीरियंस इसको लेकर मैं आश्वस्त नहीं हूं। जब हम टॉप पर हूं तो हमको अपने एडवांटेज को आगे पुश करना सीखना होगा जब टीम इंडिया को भनक लगी तो वह टॉप पर पहुंचने में बेहद शानदार रही और उन्होंने उसको बरकरार भी रखा।' एंडरसन ने ओवल टेस्ट की चौथी पारी में टीम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा, 'उदाहरण के तौर पर हमने ओवल में 99 रनों से ज्यादा की लीड ली होती। वह एक बढ़िया पिच थी। मुझे लगता है कि भारतीय टीम ने दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन हमने गेंद से क्या अच्छा खेल दिखाया? और दूसरी पारी में उस पिच पर हम किसी भी तरह से ऑलआउट नहीं हो सकते थे। वह जसप्रीत बुमराह का कमाल का स्पैल रहा, जहां उनको थोड़ी से रिवर्स मिली।'

जेम्स एंडरसन ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले गए 4 मुकाबलों में कुल 15 विकेट अपने नाम किए और उन्होंने टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली का दो बार शिकार किया। एंडरसन की अगुवाई में इंग्लैंड ने भारत को लीड्स टेस्ट में एक पारी और 56 रनों से धूल चटाई।

हेड कोच रवि शास्त्री के साथ जार्वो पर भी भड़के फैन्स, सुरक्षा को लेकर उठे बड़े सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले जाने वाले पांचवें टेस्ट मैच के रद्द होने पर सोशल मीडिया पर फैन्स का आगबबूला हो गए हैं। टीम इंडिया में कोरोना के मामले सामने आने के लिए फैन्स एक तरफ हेड कोच रवि शास्त्री की जमकर क्लास लगा रहे हैं, तो वहीं टेस्ट सीरीज में तीन दफा सुरक्षा को भेदकर मैदान पर पहुंचने वाले जार्वो को भी फैन्स ने आड़े हाथों लिया है। इसके साथ ही खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर तमाम तरह के सवाल सोशल मीडिया पर उठाए जा रहे हैं।

दरअसल, ओवल टेस्ट मैच से पहले शास्त्री और कप्तान विराट कोहली एक बुक इवेंट में पहुंचे थे, जहां काफी तदाद में लोग भी मौजूद

थे और इसके लिए कोच-कप्तान ने ईसीबी से परमिशन भी नहीं ली थी। सोशल मीडिया पर फैन्स टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में पहुंचे कोरोना वायरस के लिए कोच शास्त्री को जिम्मेदार बता रहे हैं। फैन्स के मुताबिक, बीसीसीआई को इस मुद्दे पर कोच और कप्तान को आड़ो हाथ लेना चाहिए। वहीं, फैन्स ने जार्वो को पांचवें टेस्ट के रद्द होने का दोषी बताते हुए मैदान पर खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। जार्वो एक बार नहीं, बल्कि टेस्ट सीरीज में तीन दफा सुरक्षाकर्मियों को पार करके मैदान में घुस आए थे। टीम में लगातार कोरोना के मामले सामने आने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पांचवें टेस्ट के पहले दिन मैदान पर उतरने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद दोनों बोर्ड को मैच को रद्द करने का फैसला करना पड़ा था। बता दें कि चौथे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय खेमे में कोरोना की एंट्री हो गई थी। सबसे पहले टीम के हेड कोच रवि शास्त्री कोरोना की चपेट में आए थे। शास्त्री इस समय आइसोलेशन पीरियड से गुजर रहे हैं। उनके अलावा फील्डिंग कोच आर श्रीधर, बॉलिंग कोच भारत अरुण और फिजियो नितिन पटेल भी लंदन में आइसोलेशन में हैं। इन सबके बाद मैच शुरू हो एक दिन पहले टीम के जूनियर फिजियो योगेश परमार के भी कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद सभी खिलाड़ियों का प्रैक्टिस सेशन रद्द कर दिया गया था और उन्हें होटल रूम में ही रहने के लिए कहा गया था।

ईसीबी सीईओ ने बताया, कोरोना के चलते नहीं, बल्कि इस वजह से रद्द हुआ पांचवां टेस्ट मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सीईओ टॉम हैरिसन का मानना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का निर्णायक और पांचवां टेस्ट मुकाबला कोरोना के प्रकोप की वजह से नहीं, बल्कि इससे होने वाले असर की चिंता के कारण रद्द हुआ है। सीईओ ने बताया कि जूनियर फिजियो के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों को सहज महसूस कराने के लिए हरसभंव कोशिश की गई। हालांकि, मैनचेस्टर में भारतीय प्लेयर्स ने टेस्ट के पहले दिन मैदान पर उतरने से साफ इनकार कर दिया। जिसके बाद दोनों बोर्ड ने टेस्ट को रद्द करने का फैसला लिया। 'स्काई स्पोर्ट्स' के साथ बातचीत करते हुए हैरिसन ने कहा, 'यह वास्तव में दुखद दिन है, मुझे दर्शकों के लिए निराशा है। हम काफी दुखी हैं। इंटरनेशनल स्तर पर इस खेल को बड़ी संख्या में दर्शक मिलते हैं। कल दोपहर में यह स्पष्ट हो गया कि भारतीय टीम में मानसिक तनाव का स्तर काफी अधिक है। यह तनाव कोविड-19 के कारण नहीं, बल्कि फिजियो के पॉजिटिव होने के बाद क्या हो सकता है कि धारणा के कारण था। दिन में हमने खिलाड़ियों के तनाव को कम करने के लिए कई बार आश्वासन देने की कोशिश की।' पांचवें मैच के रद्द होने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों बोर्ड किसी और समय मैच को फिर से निर्धारित करने के की दिशा में काम करेंगे।

हैरिसन ने कहा कि प्रस्तावित मुकाबला सीरीज के लिए निर्णायक होने के बजाय एकमात्र टेस्ट मैच होगा। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 2-1 से आगे है। हैरिसन से जब पूछा कि क्या यह मुकाबला इस सीरीज का निर्णायक टेस्ट होगा तो उन्होंने कहा, 'नहीं, मुझे लगता है कि यह एकमात्र टेस्ट मैच होगा। हमें कुछ अन्य विकल्पों की पेशकश की गई है, शायद उन पर विचार करने की जरूरत है। अभी हमारी कोशिश यह है कि इस मैदान पर भारत के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलने की संभावनाओं को खोजे, उस पर काम करने की कोशिश करें। यह आज की एकमात्र अच्छी खबर हो सकती है।'

टीम में नहीं चुने जाने पर छलका इमरान ताहिर का दर्द, कहा-

खिलाने का वादा किया था, लेकिन अब कोई जवाब तक नहीं देता

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप के लिए साउथ अफ्रीका की टीम का ऐलान हुआ, तो टीम में इमरान ताहिर का नाम गायब था। ताहिर के अलावा अनुभवी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस और क्रिस मोरिस को भी सिलेक्टर्स ने नजरअंदाज किया था। वर्ल्ड कप के लिए जोरों-शोरों से तैयारी कर रहे ताहिर के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं था। टीम में नहीं चुने जाने पर साउथ अफ्रीका के लेग स्पिनर ने अपना दर्द बयां किया है।

ताहिर ने कहा कि ग्रीम स्मिथ ने उनको टी-20 विश्व कप की टीम में शामिल करने का वादा किया था, लेकिन मार्क बाउचर के हेड कोच बनते ही सबने उनके मैसेज तक के रिप्लाई करना बंद कर दिया। आओएल को दिए इंटरव्यू में ताहिर ने टीम में नहीं चुने जाने पर अपना दुख जताते हुए कहा, 'मैं टीम में अपना नाम नहीं देखने के बाद बिलकुल भी अच्छा महसूस नहीं कर रहा हूं।

पिछले ग्रीम स्मिथ ने मुझसे बात की थी और कहा था कि मैं तुमको वर्ल्ड कप में खिलाना चाहता हूं, जो कि ऑस्ट्रेलिया में होना था। मैंने कहा जाहिर तौर पर मैं उपलब्ध और उत्साहित रहूंगा क्योंकि आपने मुझे सम्मान दिया है। मैं तैयार हूं। मैं काफी कड़ी मेहनत कर रहा हूं, जो आप लीग मैचों में देख सकते हैं। उन्होंने कहा था कि वह एबी डिविलियर्स और फाफ डु प्लेसिस जैसे अन्य प्लेयरों से भी बात करेंगे। उन्होंने मुझे साउथ अफ्रीका के ग्रुप में भी रखा, लेकिन उसके बाद किसी ने भी मुझसे संपर्क नहीं किया। ताहिर ने आगे बताया, 'कुछ महीनों बाद मैंने स्मिथ और बाउचर को मैसेज किया और किसी ने भी रिप्लाई नहीं किया। बाउचर के कोच बनने के बाद से उन्होंने मुझे प्लान बताने के लिए कभी संपर्क नहीं किया। यह काफी दुखदायी है। मैंने 10 साल देश का प्रतिनिधित्व किया। मुझे लगता है कि मेरे को थोड़ा और सम्मान दिया जाना चाहिए यह लोग मुझे किसी भी काम का नहीं समझ रहे हैं। मैं अपनी कहानी साउथ अफ्रीका के लोगों को बताना चाहता हूं क्योंकि मैं अपने दिल से खेलता हूं। चाहे लोग मुझे साउथ अफ्रीका का नागरिक स्वीकार करें या ना करें, लेकिन मैं साउथ अफ्रीका का ही हूं, मेरे बीवी वहीं की है और मेरे बच्चे ने भी वहीं जन्म लिया है। वह मेरे घर जैसा है। मैं साउथ अफ्रीका के लिए हमेशा ही वर्ल्ड कप जीतना चाहता था, ताकि मैं देश को मुझे दिए मौके के लिए धन्यवाद कह सकूं।

खिताब जीतने के लिए दिल्ली कैपिटल्स को क्या करना होगा, स्टीव स्मिथ ने बताया

दुबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 का दूसरा फेज 19 सितंबर से युनाइटेड अरब अमीरात में खेला जाना है। ज्यादातर खिलाड़ी अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी टीमों से जुड़ चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी अपनी फ्रेंचाइजी टीम दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ चुके हैं। स्मिथ को ने आईपीएल 2021 के पहले फेज में कुल छह मैच खेले और पांच पारियों में उन्होंने 26 की औसत से 104 रन बनाए। स्मिथ इस दौरान एक भी पचासा नहीं लगा सके और साथ ही उनका स्ट्राइक रेट भी महज 112 का था। ऐसे में फेज-2 में उन्हें अपने प्रदर्शन को और बेहतर करना होगा। स्मिथ ने कहा कि अगर दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक का सफर तय करना है, तो टीम को अपना बेस्ट खेल दिखाना होगा।

दिल्ली कैपिटल्स अभी तक प्वॉइंट टेबल में टॉप पोजिशन पर है। इस साल अप्रैल-मई में भारत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच आईपीएल बायो-बबल में कई खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ कोरोना पॉजिटिव होने के बाद टूर्नामेंट को स्थगित कर दिया गया था। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले फेज में आठ मैच खेले और छह जीत के साथ वह प्वॉइंट टेबल में टॉप पर है। स्मिथ का मानना है कि ऋषभ पंत की अगुवाई वाली टीम में 19 सितंबर से 15 अक्टूबर तक यूएई में खेले जाने वाले आईपीएल के दूसरे फेज में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है। स्मिथ ने कहा, 'हमें अपना अभियान वहीं से शुरू करना होगा जहां हमने पहले फेज को खत्म किया था। हम वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे और हमें इसके अच्छे नतीजे मिले थे। मुझे लगता है कि हम और भी बेहतर कर सकते हैं, इसलिए हमें टूर्नामेंट के दूसरे फेज में अपना बेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए।' स्मिथ ने कहा, 'फाइनल में पहुंचने के लिए आपको काफी अच्छा खेलना होगा, लेकिन उम्मीद है कि हम फाइनल में अपना बेस्ट क्रिकेट खेल सकेंगे।' उन्होंने कहा कि टीम को निश्चित रूप से आईपीएल के

लिए खुद को फिर से तैयार करना होगा।उन्होंने कहा, 'हमें एक साथ खेलते हुए कुछ महीने हो गए हैं इसलिए हमें फिर से तैयारी करनी होगी। हमारे पास एक शानदार टीम है और हमारे पास श्रेयस अय्यर भी है, जो टीम को और भी मजबूत बनाते हैं। वह बेहतरीन खिलाड़ी है और उसे वापसी करते देखना अच्छा है।' दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल के दूसरे फेज में 22 सितंबर से सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी।

टी-20 विश्व कप के लिए नामीबिया ने किया टीम का ऐलान, साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर डेविड वीस को दी जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। 17 अक्टूबर से यूएई और ओमान में शुरू हो रहे टी-20 विश्व कप के लिए नामीबिया ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर डेविड वीस को भी टीम में जगह दी गई है। टीम की कमान गेरहार्ड इरास्मस के हाथों में सौंपी गई है। नामीबिया क्वालिफायर मुकाबलों में हिस्सा लेगी और उनको जीतने के बाद ही सुपर 12 में अपनी जगह बनाएगी। युवा खिलाड़ी निको डेविन को भी उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है और वह टीम में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर डेविड वीस ने 2016 तक छह वनडे और 20 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले थे। उन्हें घरेलू टी-20 सर्किट का काफी अनुभव है। 2019 में विश्व कप क्वालीफायर के बाद से सलामी बल्लेबाज जीन-पियरे कोत्जे और स्पिनर जिवागो ग्रोएनवाल्ड ने अपने इंटरनेशनल करियर को समय दिया है। निको डेविन जैसे युवा खिलाड़ी को अच्छे प्रदर्शन करने के चलते टीम में जगह मिली है। वहीं, अनुभवी प्लेयर क्रिस्टी विलजोएन को टीम में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा अन्य युवा खिलाड़ी लेग स्पिन ऑलराउंडर निकोल लॉफ्टी-ईटन पर भी सबकी नजरें होंगी। वहीं माइकल वैन लिंगेन ने भी अभी तक इंटरनेशनल लेवल पर क्रिकेट नहीं खेला है। नामीबिया के शुरुआती मुकाबले कड़े हैं। वह 19 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ मैच से अपना अभियान शुरू करेगा।

मैनचेस्टर टेस्ट कैंसिल होने के बाद टीम इंडिया के सपोर्ट में उतरे नासिर हुसैन और केविन पीटरसन, माइकल वॉन ने ऐसे कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच कैंसिल कर दिया गया, जो आज से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाना था। जिस तरह से यह मैच कैंसिल करना पड़ा उसको लेकर फैन्स में काफी गुस्सा भी है। मैच से एक दिन पहले टीम इंडिया के जूनियर फीजियो योगेश परमार की कोविड टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से ही इस मैच पर संकट के बादल मंडराने लगे थे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मैच से पहले रात को कन्फर्म किया कि यह मैच खेला जाएगा, लेकिन मैच शुरू होने के कुछ देर पहले इसको कैंसिल घोषित कर दिया गया। टीम इंडिया के क्रिकेटरों को डर था कि मैच के दौरान खिलाड़ी भी कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए जा सकते हैं। इस पूरे मुद्दे पर शेन वॉर्न, माइकल वॉन, केविन पीटरसन और नासिर हुसैन ने अपनी राय दी है।कई दिग्गज क्रिकेटरों ने इसको निराशाजनक तो बताया, हालांकि भारत पर उंगली उठाने से इनकार कर दिया, जो सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है। उन खिलाड़ियों ने याद दिलाया कि इंग्लैंड ने भी दक्षिण अफ्रीका में ऐसा ही किया था। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने इस पर निराशा व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, 'यह बहुत बड़ी निराशा है, यह शानदार सीरीज रही।' इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज केविन पीटरसन ने कहा कि टेस्ट नहीं खेलने का फैसला करने के लिए भारतीय टीम पर उंगली नहीं उठानी चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, 'इंग्लैंड ने कोविड-19 के डर के कारण दक्षिण अफ्रीका का दौरा छोड़ दिया था जिससे क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में भारत की आलोचना नहीं होनी चाहिए।

पाम ऑयल मिशन से भूमि अधिकारों और जैव विविधता को खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पाम ऑयल को लेकर दूसरे देशों पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है. लेकिन पर्यावरणविद चिंतित हैं कि देश में पाम ऑयल के नए लक्ष्यों से वन्यजीवों और जंगलों के साथ-साथ आदिवासी भूमि अधिकारों को भी खतरा हो सकता है.भारत पाम ऑयल के सबसे बड़े उपभोक्ता देशों में से एक है. पाम ऑयल का इस्तेमाल साबुन से लेकर चिप्स बनाने तक लगभग हर चीज में किया जाता है. लेकिन भारत अभी भी अपने देश में इस्तेमाल होने वाले पाम ऑयल के अधिकांश हिस्से का आयात करता है. अब दूसरे देशों पर निर्भरता और आयात को कम करने के लिए, भारत सरकार पाम ऑयल के उत्पादन को बढ़ाना चाहती है. इसके लिए, सरकार ने अगस्त में एक नई योजना 'पाम ऑयल मिशन' पेश की है. भारत सरसों और सोयाबीन जैसे अन्य वनस्पति तेलों

का भी उत्पादन करता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पाम ऑयल की मांग में काफी ज्यादा वृद्धि देखने को मिली है. ऐसे में सरकार ने पॉम ऑयल के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने का फैसला किया. इस साल पॉम ऑयल की आसमान छूती कीमतों ने भी सरकार को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है. क्या है पाम ऑयल मिशन? भारत सरकार ने नेशनल मिशन फॉर एडिबल ऑयल-ऑयल पाम (स्र्धिं-ध्झ्) नाम की योजना शुरू की है. इसका उद्देश्य उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में पाम ऑयल के उत्पादन को बढ़ावा देना है. पाम ऑयल के उत्पादन के लिए पूरे साल बारिश की आवश्यकता होती है.

साथ ही, इसकी सबसे अच्छी खेती उन इलाकों में हो सकती है जहां तापमान 20-30 डिग्री सेल्सियस या इससे कुछ ज्यादा रहता हो और नमी 80 फीसदी से भी ज्यादा हो. भारत अपनी इस परियोजना के लिए देश के पूर्वोत्तर हिस्से और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के पूर्वी द्वीपसमूह का इस्तेमाल करना चाहता है. ये क्षेत्र पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हैं और कई अलग-अलग प्रकार के वनस्पतियों और जीवों के घर हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनएमईओ-ओपी को ठगेम-चेंजरठ बताया है और कहा है कि इस परियोजना से इन क्षेत्रों को लाभ होगा. सरकार को यह भी उम्मीद है कि इस पहल से किसानों को अपनी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी. यह एक ऐसी फसल है जो मूंगफली या सूरजमुखी जैसे पारंपरिक तिलहनों की तुलना में अधिक तेल का उत्पादन करती है. ये भी पढ़िएः खाने वाला तेल पाम ऑयल इतना विवादित क्यों? भारत ने तय किया नया लक्ष्य फिलहाल, भारत तीन लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर पॉम ऑयल का उत्पादन करता है. अब 2025-26 तक छह लाख 50 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पर पॉम ऑयल के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑयल पाम रिसर्च के वैज्ञानिक एमवी प्रसाद के अनुसार, भारत में हर साल 2.5 करोड़ टन पाम ऑयल की खपत है. देश में करीब एक करोड़ टन का उत्पादन होता है. वहीं, 1.

5 करोड़ टन दूसरे देशों से आयात किया जाता है. एमवी प्रसाद ने डॉयचे वेले को बताया कि भारत में नए इलाकों में उत्पादन शुरू होने के बाद, करीब 11 लाख मीट्रिक टन पाम ऑयल का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी. सरकार पाम ऑयल की नई परियोजना को लागू करने के लिए एक करोड़ डॉलर से अधिक खर्च कर सकती है. जैव विविधता कैसे प्रभावित होगी? अधिकारियों ने बताया है कि सरकार चाहती है कि पाम ऑयल की फसलों की खेती उन जमीन पर हो जिनका इस्तेमाल किसान पहले से ही कर रहे हैं।

पड़ोसी देश होने के नाते अफगान के हालात हमारे लिए चिंता की बात, यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में बोला भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान के ताज हालात को बेहद खराब बताया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने गुरवार को यह बात कही। वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक डिबेट में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश होने के नाते अफगानिस्तान के मौजूदा हालात भारत के लिए चिंता का विषय हैं। इस दौरान उन्होंने उम्मीद जताई कि तालिबान अफगान धरती का इस्तेमाल आतंकी ताकतों को नहीं करने देने के अपने फैसले पर कायम रहेगा। टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि अफगानिस्तान

की हालत ठीक नहीं है। पड़ोसी देश के होने के नाते यह हमारे लिए एक बड़ा चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अफगान महिलाओं की आवाज का सुना जाना चाहिए। बच्चों के भविष्य का चिंता को महसूस किया जाना चाहिए। साथ ही अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। तिरुमूर्ति ने कहा कि वहां पर मानवीय सहायता की तत्काल जरूरत है। इस दिशा में जरूरी कदम उठाने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों को अफगानिस्तान के अंदरूनी हिस्सों तक पहुंचना जरूरी है।

तालिबान द्वारा घोषित की गई अंतरिम सरकार में शामिल कई प्रतिबंधित नामों पर भी उन्होंने चिंता जताई। साथ ही तिरुमूर्ति ने इस बात पर भी जोर दिया कि अफगानिस्तान में ऐसी सरकार बने जो सभी समुदायों को प्रतिनिधित्व दे। एक ऐसी सरकार जो विभिन्न मुद्दों को लेकर सजग हो। साथ ही जिसकी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में बड़े पैमाने पर स्वीकार्यता हो। गौरतलब है कि काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक प्रेस वक्तव्य जारी किया था। इसमें कहा गया था कि अफगानिस्तान की धरती इस्तेमाल किसी आतंकी हमले या किसी देश को धमकाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

हरियाणा : भूपेंद्र हुड्डा समेत 3 कांग्रेस विधायकों को बाल अधिकार आयोग का नोटिस, प्रदर्शन में बच्चे को शामिल करने का आरोप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में आठ साल के एक बच्चे को बैठाए जाने के मामले का संज्ञान लेते हुए कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और पार्टी के दो अन्य विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बाल अधिकार आयोग ने इस कृत्य को बच्चे के साथ क्रूरता और सार्वजनिक रूप से शर्मसार करने वाला करार देते हुए गुरुवार को नोटिस जारी किया। यह मामला पिछले महीने का है, जब कांग्रेस विधायकों ने राज्य में कथित पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई और बढ़ती हुई अपराधिक घटनाओं के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए हरियाणा विधानसभा तक मार्च निकाला था।

विरोध प्रदर्शन के तहत आठ साल एक के बच्चे को साइकिल रिक्शा में बिठाया गया था और उसके हाथ में एक तख्ती दी गई थी। बाल अधिकार आयोग ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए किसी बच्चे को रिक्शे पर जबर्दस्ती बैठाना एक प्रकार की क्रूरता है।

दिल्ली में गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय में हंगामे को लेकर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, सिरसा ने निदेशक पर लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के आईटीओ इलाके में स्थित गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय में हंगामे को लेकर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

पहुंचाना), 353 (सरकारी कर्मचारी को काम करने से रोकने के लिए बल प्रयोग), 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा), 188 (सरकारी कर्मचारी के आदेश की अवहेलना) और 34 (समान मंशा) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। गुरुवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोग आईटीओ स्थित ... चुनाव निदेशालय में ... कर रहे हैं। ... सिख गुरुद्वारा प्रबंधक ...र्व अध्यक्ष और शिरोमणि ...दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता ... सिंह सिरसा ने दावा ... उनकी पार्टी के लोग ...नाव के निदेशक नरिंदर सिंह से नाराज थे क्योंकि उन्होंने डीएसजीएमसी के सामान्य सदन के सदस्यों के चुनाव के दौरान तय प्रक्रिया का पालन नहीं किया। जींद में बेकाबू कार ने बाइक को मारी टक्कर, तीन मामा-भांजों की मौत

वीडियो क्लिप में लोग नरिंदर सिंह के खिलाफ नारेबाजी करते और उनकी ओर जूता उछालते हुए दिख रहे हैं। सिरसा ने आरोप लगाया कि सिंह ने नियमों का पालन नहीं किया और जानबूझकर पार्टी कार्यकर्ताओं को इंतजार करवाते रहे।

केरल में बिशप का लव और नार्कोटिक्स जिहाद का दावा, मुख्यमंत्री पी विजयन बोले- पहली बार सुना यह शब्द

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। प्रमुख कैथोलिक बिशप की ओर से केरल में गैर मुस्लिमों के खिलाफ लव और नार्कोटिक्स जिहाद का दावा किए जाने के बाद राज्य में सियासी घमासान मचा हुआ है। एक तरफ जहां कांग्रेस और मुस्लिम संगठनों ने बिशप की आलोचना की है तो वहीं राज्य के मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा है कि नशे का कोई धार्मिक रंग नहीं होता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को इस तरह के बयान से बचना चाहिए। सायरो मालाबार चर्च से जुड़े पाला बिशप मार जोसेफ कल्लारनगट्ट को लेकर विजयन ने कहा, ''मैं मानता हूं कि हम पहली बार नार्कोटिक जिहाद जैसा शब्द सुन रहे हैं। नार्कोटिक की समस्या किसी विशेष धर्म को ही प्रभावित नहीं करती है। यह पूरे समाज पर असर डालता है और इसलिए हम इसको लेकर बेहद चिंतित हैं और इसके प्रसार को रोकने के लिए हर कोशिश कर रहे हैं। कानूनी रास्तों को मजबूत किया जा रहा है। तिरुवनंतपुरम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में विजयन ने कहा, ''नार्कोटिक्स का कोई धार्मिक रंग नहीं है। यह गैर सामाजिक गतिविधि है। कोई धर्म ड्रग्स को बढ़ावा नहीं देता है। हमें इस तरह का रुख रखना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने आगे कहा, ''बिशप के बयान का संदर्भ स्पष्ट नहीं है। लेकिन जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को ऐसे मामलों से निपटते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समाज में विभाजन ना हो।

केजरीवाल के वादे पर फैसला लेने के लिए 'आप' सरकार को मिला और समय, गरीबों का मकान किराया चुकाने का किया था वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस घोषणा को लागू करने पर फैसला करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है, जिसमें कहा गया था कि अगर कोई गरीब किरायेदार कोविड-19 महामारी के दौरान मकान का किराया देने में असमर्थ है, तो सरकार इसका भुगतान करेगी। दिल्ली सरकार के वकील गौतम नारायण ने जस्टिस रेखा पल्ली से कहा कि मामला विचाराधीन है। उन्होंने इस संबंध में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा।

दरअसल, हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को इस मामले पर छह सप्ताह में निर्णय लेने का निर्देश दिया था, लेकिन सरकार आदेश पर अमल नहीं कर पाई। इसके बाद इस संबंध में सरकार पर जानबूझकर अदालत

की अवमानना का आरोप लगाते हुए एक याचिका दाखिल की गई, जिस पर जस्टिस पल्ली सुनवाई कर रही थीं। अदालत ने 22 जून को फैसला सुनाया था कि मुख्यमंत्री के इस वादे पर अमल किया जाना चाहिए। उसने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को केजरीवाल की घोषणा पर छह सप्ताह के भीतर फैसला करने का निर्देश दिया था।दैनिक वेतन भोगी और श्रमिक होने का दावा करने वाले याचिकाकर्ताओं ने पिछले साल 29 मार्च को संवाददाता सम्मेलन के दौरान केजरीवाल द्वारा किए गए वादे को लागू करने की मांग की है। वकील गौरव जैन के माध्यम से दाखिल की गई याचिका में कहा गया है कि 6 सप्ताह की समयसीमा 02.09.2021 को समाप्त हो गई, लेकिन दिल्ली सरकार ने अभी तक उपरोक्त निर्देश का पालन नहीं किया है। नजमा (याचिकाकर्ता-1), करण सिंह (याचिकाकर्ता-4), रेहाना बीबी (याचिकाकर्ता-5) के 29.08.2021 और 30.08.2021 के अनुरोधों का कोई जवाब नहीं दिया गया। याचिका में कहा गया है कि जब तक कोई निर्णय नहीं लिया जाता है, तब तक किराये के भुगतान पर स्पष्ट नीति नहीं बनाई जा सकती। याचिका के अनुसार, प्रतिवादी ने जानबूझकर अदालत के आदेश/निर्देश का पालन न करके अवमानना भी की है। अदालत ने 89 पेज के निर्णय में कहा था कि महामारी और प्रवासी मजदूरों के बड़े पैमाने पर पलायन के कारण घोषित लॉकडाउन की पृष्ठभूमि में जानबूझकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए एक बयान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

लव जिहाद से आतंकवाद में धकेली जा रहीं दूसरे धर्म की लड़कियां, खत्म करना चाहते हैं गैर मुस्लिमः बिशप

कोट्टायम (एजेंसी)। केरल में एक कैथोलिक बिशप ने गुरुवार को कहा कि राज्य में ईसाई लड़कियां बड़ी संख्या में 'लव जिहाद और नार्कोटिक जिहाद के जाल में फंस रही हैं और जहां हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, वहां चरमपंथी अन्य धर्मों की युवतियों को बर्बाद करने के लिए ये हथकंडे अपना रहे हैं। बिशप ने कहा कि जिहादी प्यार और दूसरे तरीकों से दूसरे धर्म की महिलाओं का दुरुपयोग आतंकी गतिविधियों या आर्थिक लाभ के लिए करते हैं। उनका लक्ष्य अपने धर्म को बढ़ाना और गैर-मुस्लिमों को खत्म करना है। उन्होंने कहा कि चरमपंथियों के लिए यह युद्ध की रणनीति है। सायरो मालाबार चर्च से जुड़े पाला बिशप मार जोसेफ कल्लारनगट्ट ने आरोप लगाया कि 'लव जिहाद के तहत गैर मुस्लिम लड़कियों, विशेष रूप से ईसाई समुदाय की लड़कियों को प्रेम के जाल में फंसा कर उनका धर्मांतरण किया जा रहा है और शोषण किया जा रहा है। उनका आतंकवाद जैसी विध्वंसक गतिविधियों में उनका इस्तेमाल किया जा रहा है। वह कोट्टायम जिले में कुरूविलंगड में एक चर्च समारोह में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। बिशप ने दुनिया भर में

और केरल में सांप्रदायिकता फैलाने, धार्मिक असौहार्द्र और असहिष्णुता बढ़ाने की कोशिश करने वाले जिहादियों की मौजूदगी के खिलाफ आगाह करते हुए कहा कि वे अन्य धर्मों को तहस-नहस करने के लिए अलग-अलग तरकीब अपना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''इस तरह की दो चीजें लव जिहाद और नार्कोटिक (मादक पदार्थ) जिहाद हैं। चूंकि जिहादी जानते हैं कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में हथियारों के जरिए अन्य धर्मों के लोगों को बबार्द करना आसान नहीं है, इसलिए वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए इस तरह के अन्य हथकंडे अपना रहे हैं। उन्होंने पूर्व पुलिस महानिदेशक लोकनाथ बेहरा के हालिया बयानों को जिक्र करते हुए कहा कि केरल आंतकवादियों का एक भर्ती केंद्र बन गया है और इस राज्य में चरमपंथी समूहों का एक भूमिगत प्रकोष्ठ मौजूद है। बिशप ने दावा किया कि राज्य की ईसाई और हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण किया गया और उन्हें हाल ही में अफगानिस्तान में आतंकवादी शिविरों में भेजा गया। उन्होंने कहा कि इस विषय की गंभीरता से पड़ताल होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग यह कह रहे हैं कि राज्य में 'लव जिहाद और नार्कोटिक जिहाद' नहीं है वे सच्चाई से आंखें मूंद रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो राजनेता, सामाजिक-सांस्कृतिक नेता व पत्रकार, इस से इनकार कर रहे हैं, ऐसा करने में उनके निहित स्वार्थ हो सकते हैं।

सिखों और हिंदुओं के लिए तालिबानी शासन के क्या मायने

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान-शासित अफगानिस्तान के सिखों और हिंदुओं को एक अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ रहा है. तालिबान का दावा है कि उसकी सरकार में अल्पसंख्यक महफूज रहेंगे लेकिन पुराने अनुभव याद कर सिख और हिंदू समुदाय सिहर उठते हैं.अफगानिस्तान के विभिन्न हिस्सों से अपना घरबार छोड़ कर आए सिख और हिंदू समुदायों के लोग, काबुल के पास करते परवान में दशमेष पिता गुरुद्वारा में, हफ्तों से पनाह लेकर रहने को मजबूर हैं. अफगानिस्तान में पिछले महीने सिविल सरकार के पतन और युद्ध और हिंसा से जूझते देश में तालिबानियों के हाथ सत्ता आने के बाद से देश के धार्मिक अल्पसंख्यकों की जिंदगियां भी उलट-पलट गई हैं. अफगानिस्तान में इस समय करीब 250 सिख और हिंदू रहते हैं. काबुल हवाईअड्डे के पास आत्मघाती बम धमाके की वजह से 140 के करीब लोग हवाईअड्डे में दाखिल ही नहीं हो पाए, जहां से उन्हें भारतीय सेना की निकासी उड़ान लेनी थी. तालिबानी हुकूमत में फिलहाल एयरपोर्ट से उड़ानें बंद हैं. ऐसे में इन अल्पसंख्यकों को चरमपंथी इस्लामी हुकूमत में अपना भविष्य डांवाडोल दिखता है. काबुल

एयरपोर्ट से अमेरिकी विमान की आखिरी उड़ान से पहले भारत ने काबुल से करीब 600 लोगों को निकाल लिया था. इसमें 67 अफगानी सिख और हिंदू थे, निकाले गए लोगों में सांसद अनारकली कौर होनारयार और नरेंदर सिंह खालसा भी थे. कोई गैर-मुस्लिम अफगानी हो सकता है? ठअफगानी हिंदू और सिख हजारों साल का इतिहासङ्ग किताब के लेखक इंदरजीत सिंह बताते हैं कि अफगानिस्तान की सिख और हिंदू आबादी की जड़ें सदियों पुरानी है, उस समय ये देश भी नहीं बना था. उन्होंने डीडब्ल्यू को बताया, ठआज के अफगानिस्तान में सिखों का इतिहास, इस इलाके में सिख धर्म के संस्थापक गुरू नानक देव के दौर में तलाशा जा सकता है. 16वीं सदी में सिख धर्म का भी उदय हुआ था. और हिंदुओं की जड़ें तो और भी पीछे जाती हैं.

हुकूमत किसी की भी हो, अफगानिस्तान पर काबिज सत्ताएं इन अल्पसंख्यकों को ठविदेशीङ्ग की तरह ही देखती आई हैं. अपने पूर्वजों के देश में उनकी स्थिति दोयम दर्जे की बना दी गई. जर्मनी में रहने वाली अफगान सिख मानवविज्ञानी पूजा कौर मट्टा कहती हैं, ठसिख और हिंदू वहीं के बाशिंदे हैं, बाहरी नहीं.ङ्ग दूसरे बहुत से सिखों और हिंदुओं की तरह, पूजा के माता पिता की जड़ें भी गजनी और काबुल में थीं. वे 1990 के दशक के मध्य में अफगानिस्तान में तालिबानी लड़ाकों के सत्ता पर कब्जे के बाद यूरोप जाकर बस गए थे. 1992 में उनकी संख्या 60,000 थी. आज 300 से भी कम है. अलगाव और उत्पीड़न का डर वर्षों से चले आते सिलसिलेवार और संस्थागत भेदभाव के बावजूद, अल्पसंख्यक इस उम्मीद में थे कि नागरिक सरकार चली तो कुछ समान अधिकार भी हासिल हो पाएंगे. लेकिन 2018 और 2020 में दो बड़े भारी हमलों के बाद ये उम्मीद भी चूरचूर हो गई. अफगानी सांसद नरेन्दर खालसा के पिता पहले आत्मघाती बम हमले में मारे गए थे और कम से कम 25 सिख श्रद्धालुओं की 2020 में गुरद्वारा पर हुए हमले में मौत हो गई थी. ठइस्लामिक स्टेटङ्ग गुट से जुड़े एक इलाकाई गिरोह, ठइस्लामिक स्टेट खोरासानङ्ग (आईएस-के) ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली थी. ये गिरोह हाल में काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए आत्मघाती बम धमाके के लिए

महाराष्ट्र में शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की कैसे बनी सरकार? शरद पवार ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने बताया है कि महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की सरकार कैसे बनी? शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले शिवसेना और बीजेपी साथ थे। चुनाव के नतीजों के बाद उन्हें लगने लगा कि उनके साथ कुछ नाइंसाफी हुई है। हम उस समय तक शांत थे। जैसे-जैसे दिन गुजर रहा था सरकार बनाना मुश्किल हो गया था। 'र्घ्ी ऊर्द्दिं' से बातचीत के दौरान शरद पवार ने कहा कि मैं उद्धव ठाकरे को बचपन से देखा है। उद्धव ठाकरे अपने पिता बाला साहेब ठाकरे की बताई राह पर चल रहे थे। जब शिवसेना औ? बीजेपी के बीच दूरियां बढ़ी तब हमारी पार्टी के कई लोगों को ऐसे लगने लगा कि हम शिवसेना के साथ बातचीत कर सकते हैं। हम लोगों ने इसपर चर्चा की और संजय राउत भी उस वक्त पहुंचे।

शरद पवार ने कहा कि हमने सोनिया गांधी से भी बातचीत की है। ऐसा तब हुआ जब हमने आपस में चर्चा की और जब हमने लगने लगा कि शिवसेना और बीजेपी की सरकार नहीं बन सकती है तब हमने सोनिया गांधी से बात करने का फैसला किया। हमें महसूस हुआ कि कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना की सरकार बन सकती है। कांग्रेस में भी कुछ लोगों को यह बात सही लगी। लेकिन उन्हें आशंका थी कि क्या सोनिया गांधी इस फॉर्मले के लिए राजी होंगी। हालांकि, सोनिया गांधी को प्रस्ताव देने से पहले इसके बाद मैंने सोनिया गांधी से बात की थी और कहा था कि यह देखने की जरुरत है कि भाजपा सत्ता में ना आए। इसके बाद उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया था। शिवसेना के साथ सरकार बनाने को लेकर इस बातचीत में राहुल गांधी कभी नहीं आए। सोनिया गांधी ने एक बैठक की थी और इसके बाद उन्हें सभी की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया आई थी। इसके बाद उन्होंने सरकार बनाने को हरी झंडी दे दी।

अमरुल्लाह के भाई का मृत शरीर परिजनों को नहीं दे रहा तालिबान, परिवार वालों से बोला- डेड बॉडी सड़ा देना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान ने पंजशीर में अपने विद्रोही गुट के नेता अमरुल्लाह सालेह के भाई रोहुल्लाह सालेह की बेरहमी से हत्या कर दी है। तालिबान ने रोहुल्लाह सालेह का शव उनके परिवार वालों को देने से इनकार भी कर दिया है। एबदुल्लाह सालेह ने न्यूज एजेंसी को एक मैसेज भेज कर बताया कि तालिबान लगातार यह कह रहा है कि उनके शव को सड़ा देना चाहिए। रोहुल्लाह सालेह की मौत की खबर शुक्रवार को सामने आई। पंजशीर में तालिबान और विद्रोही गुट के बीच हुई भीषण लड़ाई के बाद रोहुल्लाह सालेह के मारे जाने की खबर सामने आई थी। कहा जा रहा है कि तालिबान ने सालेह के घर पर कब्जा कर लिया है। हालांकि इन तमाम दावों की लाइव हिंदुस्तान पुष्टि नहीं करता है। बताया जा रहा है कि अमरुल्लाह सालेह के बड़े भाई रोहुल्लाह सालेह को तालिबान ने पहचान लिया था और फिर उन्हें

गोली मार दी गई। कल मार डाला और उनका अंतिम संस्कार नहीं करने दे रहे। वो कह रहे हैं कि उनकी डेड बॉडी सड़नी चाहिए।' अभी अमरुल्लाह सालेह और अहमद मसूद अभी कहां हैं किसी को नहीं पता है? अभी हाल ही में तालिबान के लड़ाकुओं की एक तस्वीर सामने आई थी। इस तस्वीर में वो हाथ में बंदूक लिए किताबों के पास खड़े थे। बताया जा रहा है कि यह वहीं जगह है जहां अमरुल्लाह सालेह ने हाल ही में एक वीडियो जारी कर अपना बयान दिया था। पंजशीर वहीं इलाका है जहां पर अभी तालिबान का राष्ट्रीय प्रतिरोध मोर्चा (ंइ) और नॉर्दन अलायंस संग तगड़ा संघर्ष चल रहा है। 15 अगस्त को काबुल पर तो तालिबान ने अपना कब्जा जमा लिया, लेकिन पंजशीर के लड़ाकों ने अपनी आजादी की जांग जारी रखी है। अमरुल्लाह सालेह का ंइ और पंजशीर के लड़ाकों को खुला समर्थन दिया गया है। उनकी तरफ से कई मौकों पर तालिबान को खुली चेतावनी दी गई है। उन्होंने पूरी दुनिया से भी तालिबानी सरकार को मान्यता ना देने की अपील की है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.
UPHIN 2001/9025